सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" जीवन की सुगंध का आनंद तो वहीं ले सकता है , जो खिलने और बिखरने वाले पलों के बीच महकने की काबिलियत रखता है ।"
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-85 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 15 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

वेदांता प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट 16 मौतें और तबाही की आशंका

सीएम साय ने जताया शोक, मृतकों और घायलों के परिजनों को दिया जाएगा मुआवजा, घटना की होगी जांच

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़ / सक्ती

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांत प्लांट के थर्मल पावर प्लांट में मंगलवार को हुए भीषण हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया।प्लांट में बॉयलर का ट्यूब फटने से बड़ा विस्फोट हुआ, जिसमें 16 मजदूरों की मौत की खबर है। प्रशासन ने 12 मौतों की अधिकृत पुष्टि की है। शव शिनाख्ती का काम भी जारी है।

जबकि दजर्नों मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए हैं।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा दोपहर करीब 2 बजे सिंघीतराई स्थित प्लांट में हुआ, जब रोज की तरह कामकाज जारी था। अचानक हुए धमाके के बाद पूरे प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई।मजदूर अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।मौत का आंकड़ा अस्पष्ट, हालात गंभीर अभी तक मृतकों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अपुष्ट सूत्रों के मुताबिक दर्जनभर से ज्यादा मजदूरों की जान जाने की आशंका है। कई घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। घायलों को तत्काल रायगढ़ के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। राहत-बचाव में जुटा प्रशासन घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर डटे हुए हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।राजनीतिक हलचल तेज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री साय ने भी घटना को बेहद पीड़ादायक बताया और पीड़ित परिवारों के लिए उचित मुआवजा व घायलों के समुचित इलाज की मांग की है।नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने भी प्रशासन से चर्चा कर स्थिति का जायजा लिया और श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया।सुरक्षा पर उठे बड़े सवाल इस हादसे ने एक बार फिर औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।सवाल यह है कि क्या प्लांट में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त थी या फिर लापरवाही ने मजदूरों की जान ले ली।प्रदेश के औद्योगिक विकास के बीच यह हादसा एक कड़वी सच्चाई उजागर करता है—अगर सुरक्षा से समझौता होगा, तो विकास की कीमत मजदूरों की जान से चुकानी पड़ेगी।

घटना के मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

रायपुर। सक्ति जिले के ग्राम सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए बॉयलर हादसे के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित और समन्वित कारर्वाई करते हुए राहत-बचाव कार्य प्रभावी ढंग से शुरू कर दिए हैं।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर अमृत विकास टोपनो और पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर मौके पर पहुंचे और राहत कार्यों की कमान संभाली। प्रशासन ने एम्बुलेंस, चिकित्सा दल और आवश्यक संसाधनों को तत्काल सक्रिय कर घायलों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया। कलेक्टर ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है और स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है।जिला प्रशासन द्वारा सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि राहत और उपचाहर कार्यों में किसी प्रकार की कमी न हो।

वेदांता उद्योग दुर्घटना में घायल व मृतकों की जानकारी

जिंदल फोर्टिस अस्पताल रायगढ़ -18 घायल मजदूरों में 7 मृत।, मेट्रो अस्पताल - 9 मजदूरों में से 7 रायपुर रेफर जिसमें 2 की डेथ, अपेक्स अस्पताल -2 मजदूर ठीक है। सामुदायिक अस्पताल खरसिया - 1 शव।जिंदल प्लांट में 4 शव में है।कुल 14 की मृत्यु हुई है।2 मजदूरों की और मौत हो गयी रायपुर में कालड़ा बर्न स्पेशलिटी हॉस्पिटल के यहां मृतकों की पहचान अशोक फरहिया अब्दुल करीम के रूप मैं हुई है ।

कालड़ा अस्पताल में किया गया भर्ती

अब्दुल करीम 39 साल, उपेंद्र साहू 38 साल, अशोक परिहा 38 साल और किस्मत अली 26 साल को लाया गया रायपुर
अब्दुल करीम और अशोक परिहा मृत अवस्था में लाए गए
उपेंद्र साहू 85% जला है वेंटिलेटर पर हालत गंभीर
किस्मत अली 90% जला है वेंटिलेटर पर हालत गंभीर
सभी घायल मरीज झारखंड के गढ़वा और खरसिया के निवासी .

परिजनों ने लगाया प्रबंधन पर गंभीर आरोप

रायपुर। सक्ति जिले के ग्राम सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट के हादसे की शिकार मजदूरों के परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही और सूचना छुपाने का आरोप लगाया। परिजनों का कहना है कि कंपनी का किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी जा रही है।कई परिवार के लोग प्रियजनों की तलाश में भटक रहे हैं। परिजनों ने बताया कि चार से पांच अलग-अलग अस्पतालों में चक्कर लगाया जा रहा है। जिला अस्पताल में जाकर मृतक की बॉडी की पहचान संभव हो पाई। परिजनों का कहना है कि प्लांट प्रबंधन ने उनसे सीधे तौर पर बात भी नहीं किए।पुलिस कर्मी की तरह से कहा जा रहा है कि उन्हें उचित मुआवजा दिया जाएगा। प्लांट परिसर के बाहर गहमागमी का माहौल है। मृतकों की संख्या और हादसे की वास्तुस्थिति को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

सीएम ने मृतकों के परिजन को 5 - 5 लाख और घायलों को 50- 50 हजार रुपए सहायता राशि की घोषणा की

रायपुर। सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुई दुर्घटना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है।उन्होंने इस घटना को अत्यंत दु:खद और पीड़ादायक बताते हुए हादसे में अपने परिजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस कठिन समय में राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। उन्होंने मृतक श्रमिकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है। साथ ही, हादसे में घायल हुए श्रमिकों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उन्हें तत्काल राहत और संबल मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी घायलों के समुचित एवं नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री श्री साय ने घटना की गंभीरता को देखते हुए कमिश्नर बिलासपुर को जांच के आदेश दे दिए हैं।उन्होंने स्पष्ट किया कि इस हादसे के लिए जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कारर्वाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरे मामले पर सतत निगरानी बनाए हुए है और राहत एवं पुनर्वास कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

उद्योग मंत्री ने जताया गहरा शोक

रायपुर। वाणिज्य, उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने सक्ती जिले के डभरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सिंघीतराई स्थित वेदांता लिमिटेड के पावर प्लांट में बॉयलर फटने से हुई दुर्घटना में जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त किया है।मंत्री देवांगन ने इस घटना को अत्यंत दुखद और पीड़ादायक बताते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट कीं। उन्होंने कहा कि इस हादसे में श्रमिकों की मृत्यु और कई लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत व्यथित करने वाला है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को इस दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

त्वरित टिप्पणी

परिवारवाद पर राजनीति—आरोप, वास्तविकता और बदलती परिभाषाएं

आलोक तिवारी

भारतीय राजनीति में परिवारवाद हमेशा से एक बड़ा और संवेदनशील मुद्दा रहा है। लंबे समय तक नेहरू - गांधी परिवार को इसका प्रतीक बताया जाता रहा, जबकि उत्तर भारत की राजनीति में लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव के परिवारों को भी इसी कसौटी पर कसा गया।

लेकिन बिहार की ताजा राजनीतिक घटनाओं ने इस बहस को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है।सम्राट चौधरी के उभार ने यह सवाल फिर खड़ा कर दिया है कि क्या परिवारवाद केवल विरोधियों के लिए मुद्दा है, या यह लगभग हर दल की राजनीति का हिस्सा बन चुका है।

वर्षों तक भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक ने परिवारवाद को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कांग्रेस, समाजवादी और क्षेत्रीय दलों पर तीखे हमले किए। लेकिन समय के साथ भाजपा के भीतर भी ऐसे कई उदाहरण सामने आए, जहां नेताओं के पुत्र-पुत्रियां और परिजन सक्रिय राजनीति में आए और स्थापित भी हुए।

बिहार में नीतीश कुमार के लंबे शासनकाल के बाद सत्ता समीकरण बदले और भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति के तहत नए चेहरों को आगे बढ़ाया। इसी क्रम में सम्राट चौधरी का उभार हुआ, जिनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि भी कभी राष्ट्रीय जनता दल से जुड़ी रही है।यह घटनाक्रम बताता है कि भारतीय राजनीति में विचारधारा से अधिक व्यावहारिक राजनीति (प्रैग्मेटिज्म) हावी होती जा रही है।

दरअसल, आज लगभग हर दल में किसी न किसी रूप में परिवार आधारित राजनीति मौजूद है—चाहे वह राम विलास पासवान का परिवार हो या अन्य क्षेत्रीय दलों के नेता। फर्क सिर्फ इतना है कि कोई इसे स्वीकार करता है, तो कोई इसे ह्ययोग्यताह्ण का नाम देता है।

भाजपा समथर्कों का तर्क रहा है कि परिवारवाद वह है, जहां पूरी पार्टी ही एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमती हो। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि राजनीति में प्रभाव, पहचान और संसाधनों के कारण परिवारों की भूमिका बढ़ती ही जा रही है।

बिहार का ताजा घटनाक्रम इस बहस को और गहरा करता है कि क्या परिवारवाद वास्तव में खत्म हो रहा है, या केवल उसकी परिभाषा बदल रही है।स्पष्ट है कि भारतीय राजनीति में परिवारवाद अब केवल एक आरोप नहीं, बल्कि एक व्यापक वास्तविकता बन चुका है—जिससे कोई भी दल पूरी तरह अछूता नहीं है।

कांग्रेस का कड़ा रुख, 10 सदस्यीय हाई-लेवल जांच समिति गठित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

`जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए भीषण बॉयलर ब्लास्ट हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। कई मजदूरों की असामयिक मृत्यु और 50 से अधिक श्रमिकों के गंभीर रूप से घायल होने की इस हृदयविदारक घटना पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बड़ा फैसला लिया है।प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर एक 10 सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है, जो सीधे मौके पर जाकर जमीनी हकीकत का पता लगाएगी।

जयसिंह अग्रवाल के नेतृत्व में स्पेशल-10 की टीम

कांग्रेस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुभवी नेताओं को मैदान में उतारा है।पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को इस समिति का संयोजक नियुक्त किया गया है। उनके साथ पूर्व मंत्री नोबेल वर्मा और क्षेत्र के कद्दावर विधायकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जांच समिति के प्रमुख चेहरेः संयोजकः जयसिंह अग्रवाल (पूर्व मंत्री) सदस्यः नोबेल वर्मा (पूर्व मंत्री), रामकुमार यादव (विधायक, चन्द्रपुर) अटल श्रीवास्तव (विधायक, कोटा) बालेश्वर साहू (विधायक, जैजैपुर) राघवेन्द्र सिंह (विधायक, अकलतरा) व्यास कश्यप (विधायक, जांजगीर-चांपा) शेषराज हरवंश (विधायक, पामगढ़) रश्मि गबेल (अध्यक्ष, ऊ्रउ सक्ती) राजेश अग्रवाल (अध्यक्ष, ऊ्रउ जांजगीर-चांपा)

ग्राउंड जीरो पर जाकर होगी दूध का दूध और पानी का पानी

प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह समिति केवल कागजी कारर्वाई नहीं करेगी, बल्कि ग्राउंड जीरो पर उतरकर जांच करेगी। समिति को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं किः प्रभावित क्षेत्र का तत्काल दौरा करें। पीड़ित परिवारों और घायलों से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानें। प्लांट प्रबंधन से चर्चा कर हादसे के तकनीकी कारणों और सुरक्षा चूक की जानकारी लें।स्थानीय ग्रामीणों से बात कर वस्तुस्थिति का आकलन करें। जल्द सौंपी जाएगी रिपोर्टयह जांच टीम अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जल्द ही छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगी।इस कदम के बाद अब राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और प्लांट प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों को लेकर दबाव बढ़ना तय माना जा रहा है।

संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है और समरसता उसकी सबसे बड़ी शक्ति : सीएम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के शंकरनगर स्थित दुर्गा मैदान में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता भोज कार्यक्रम में शामिल हुए।इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जनप्रतिनिधियों और आमजन के साथ बैठकर भोजन किया तथा स्वयं लोगों को भोजन परोसकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसके संविधान का निर्माण करने का गौरव बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह संविधान देश के 140 करोड़ नागरिकों को समानता, अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने का आधार प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प और अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्चतम स्थान प्राप्त किया और समाज के वंचित, शोषित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने नारी शिक्षा और सम्मान के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले द्वारा प्रारंभ किए गए नारी शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के अभियान को बाबा साहेब ने आगे बढ़ाया और उसे नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब के जन्म, शिक्षा, दीक्षा, कार्य और समाधि स्थलों को ह्लपंच तीर्थह्व के रूप में विकसित कर उन्हें सच्चा और स्थायी सम्मान दिया जा रहा है।इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समरसता का प्रेरक उदाहरण है। उनके विचार आज भी समाज को समानता और न्याय की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।समरसता भोज जैसे आयोजन सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से समाज के कमजोर और पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने की मजबूत व्यवस्था दी। आज मुख्यमंत्री श्री साय और के नेतृत्व में अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। समरसता भोज कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष श्रीमती मोना सेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

अंबेडकर जयंती पर भिलाई में सामाजिक समरसता का दिया संदेश, शामिल हुए इंद्रजीत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई में भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में इंद्रजीत सिंह छोटू की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। उन्होंने सवीदय बुद्ध विहार, कोसानगर में आयोजित जयंती महोत्सव में शामिल होकर बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित किए और बौद्ध समाज के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

इसी क्रम में पावर हाउस स्थित डॉ. आंबेडकर प्रतिमा प्रबंध समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भी उन्होंने सहभागिता की। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार रामटेके एवं देवेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। वहीं सुपेला स्थित अंबेडकर भवन में छत्तीसगढ़िया महार समाज द्वारा आयोजित 135वीं जयंती समारोह में शामिल होकर उन्होंने बाबा साहब के विचारों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया और सभी को बधाई दी।

सामाजिक आयोजनों में सहभागिता के तहत सन मैरिज पैलेस, कैलाश नगर में समीर खान की सुपुत्री के विवाह समारोह में शामिल होकर परिवार को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बदरुद्दीन कुरैशी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके साथ ही सुंदर नगर में गोपी अरोरा के गृह प्रवेश कार्यक्रम में सपरिवार शामिल होकर उन्होंने शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। लगातार शहर के विभिन्न कार्यक्रमों में उपस्थिति दर्ज कराते हुए इंद्रजीत सिंह छोटू आमजन से आत्मीय संवाद स्थापित कर रहे हैं। उनकी यह सक्रियता और जनसंपर्क शैली उन्हें एक समर्पित जनसेवक के रूप में स्थापित कर रही है। सामाजिक समरसता, सम्मान और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ इंद्रजीत सिंह छोटू भिलाई में एक मजबूत पहचान बना रहे हैं।

खास खबर

सूने मकान में एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट, मोहल्ले में मची अफरा-तफरी

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

जिले के कुरूद थाना क्षेत्र अंतर्गत वाले सिरसा चौक के पास शनिवार को एक रिहायशी मकान में रसोई गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका हुआ। धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी गूँज दूर तक सुनी गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि हादसे के वक्त परिवार के सदस्य घर से बाहर थे, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई।

घटना का विवरण: जानकारी के अनुसार, सिरसा चौक क्षेत्र के एक मकान में रखे एलपीजी सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाके के कारण घर के अंदर का सामान पूरी तरह बिखर गया और दीवारों में दरारें आने की खबर है। विस्फोट के बाद घर में आग लग गई और धुएं का गुबार छा गया। स्थानीय नागरिकों ने तत्परता दिखाते हुए निजी संसाधनों और पानी की मदद से आग पर काबू पाया, जिससे आग को पड़ोस के मकानों तक फैलने से रोक लिया गया।

जांच और नुकसान: सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में विस्फोट का कारण गैस रिसाव या तकनीकी खराबी माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस और फायर विभाग विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारणों की पुष्टि करेंगे। प्रशासन ने पीड़ित परिवार के घर का जायजा लिया है, जहां घरेलू सामान जलकर नष्ट होने से भारी आर्थिक नुकसान की आशंका जताई गई है।

एलपीजी सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग हेतु आवश्यक सावधानियां
इस तरह के हादसों से बचने के लिए सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। यहाँ कुछ मुख्य सावधानियां दी गई हैं:नियमित जांच हमेशा रेगुलेटर चेक करे, पाइप और सिलेंडर का ही उपयोग करें।
गैस पाइप को हर 5 साल में वितरक से ही खरीद बदल देना चाहिए, भले ही वह बाहर से ठीक दिख रहा हो। पाइप पर कभी भी कपड़ा या कोई कवर न डालें, ताकि दरारें दिखने में आसानी हो।

ट्रांसफार्मर के पास लग रही सब्जी मार्केट, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

अहिवारा शहर के व्यस्त मेन मार्केट में सुरक्षा नियमों की अनदेखी लोगों पर भारी पड़ सकती है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अहिवारा वितरण केंद्र ने ट्रांसफार्मर के पास लग रही सब्जी मार्केट को लेकर नगर पालिका परिषद को चेतावनी पत्र भेजा है।

विभाग द्वारा 7 अप्रैल को किए गए स्थल निरीक्षण में सामने आया कि अहिवारा मेन मार्केट में 200 केवी क्षमता के दो ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। ट्रांसफार्मर का डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स और केबल कनेक्शन तकनीकी रूप से ठीक पाए गए, लेकिन इनके आसपास अवैध रूप से सब्जी बाजार संचालित किया जा रहा है।

सुरक्षा नियमों की हो रही अनदेखी

बिजली विभाग के अनुसार, ट्रांसफार्मर और निम्नदाब विद्युत लाइनों के आसपास कम से कम 3 मीटर की सुरक्षित दूरी रखना अनिवार्य है, लेकिन वर्तमान में यह नियम पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। दुकानदार ट्रांसफार्मर के बिल्कुल पास तक अपनी दुकानें लगा रहे हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है।

कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रांसफार्मर के आसपास इस तरह की गतिविधियां बेहद जोखिम भरी होती हैं। तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट या बारिश के दौरान करंट फैलने जैसी स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है, जिससे जान-माल का नुकसान होने की पूरी संभावना है।

नगर पालिका को कार्रवाई के निर्देश

कनिष्ठ यंत्री द्वारा नगर पालिका परिषद को भेजे गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि या तो इस सब्जी मार्केट को तत्काल अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए या फिर ट्रांसफार्मर के चारों ओर कम से कम 3 मीटर की सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए।

स्थानीय लोगों में भी चिंता

मेन मार्केट होने के कारण यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को इस गंभीर समस्या पर जल्द कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। अब सभी की नजर नगर पालिका परिषद की कार्रवाई पर टिकी है कि वह इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेते हुए आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

डॉ. आंबेडकर केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के महान व्यक्तित्व हैं : सांसद विजय

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह का आयोजन मंगलवार को बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया एवं भारतीय बौद्ध महासभा, संस्थापक बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर बुद्ध विहार, सेक्टर-6 भिलाई के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतरत्न, महान धम्म प्रवर्तक एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार बोधिसत्व परम पूज्य डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 135वीं जयंती श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल सांसद रहे। विशिष्ट अतिथियों में देवेन्द्र यादव विधायक, रिंकेश सेन विधायक, नीरज पाल महापौर, विनोद खांडेकर (पूर्व विधायक, डोंगरगढ़), इंद्रजीत सिंह छोटू सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसमें भीम क्रांति की बुलंद आवाज के रूप में प्रबोधनकार गायक विकास राजा ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि विजय बघेल ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के महान व्यक्तित्व हैं। उन्होंने समाज को जोड़ने का कार्य किया और भारतीय संविधान के माध्यम से देश को एकता के सूत्र में बांधा। उन्होंने कहा कि जैसे हम धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करते हैं, उसी प्रकार संविधान का भी अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने समाज के प्रतिनिधियों द्वारा सौंपे गए मांग पत्र पर मुख्यमंत्री से चर्चा कर समाधान का आश्वासन भी दिया।कार्यक्रम में एस.आर. कांडे, एस.डी. कावरे, संजय गजघाटे, सुनील रामटेके, बालेश्वर चौरे, मधुकर जाम्बुलकर, हर्ष मेश्राम, विनोद वासनिक, उदय धाबर्डे, संजय बागडे, सी.एल. महेश्वरी, भोजराज गौरखेडे, राजेश वंजारी, प्रज्ञा कांडे, अशोक ढवले, प्रेरणा कठाने, प्रतिमा बंसोड, सुजाता भगत, जय बौद्ध, मीना नारनवरे सहित अनेक समाजसेवी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में एस.आर. कांडे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश कायर्कारिणी अध्यक्ष भोजराज गौरखेडे, बेनीराम गायकवाड़, नीलकंठ सिघांडे, संजय शेन्द्रे, सुरेश वैध, प्रकाश कांडे, महेंद्र वाघमारे सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

साड़ी गुणवत्ता पर सरकार सख्त, होगी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को वितरित की गई साड़ियों की गुणवत्ता को लेकर सामने आई शिकायतों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी गहन जांच कराने के निर्देश दिए हैं। मंत्री राजवाड़े के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक ने छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र जारी कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में साड़ी वितरण के लिए जारी किए गए क्रय आदेश के तहत कुछ जिलों से गुणवत्ता में कमी और निर्धारित मापदंडों में विचलन की शिकायतें प्राप्त हुई हैं।विभागीय स्तर पर गठित जांच समिति द्वारा किए गए परीक्षण में कुछ स्थानों पर मानकों से विचलन की पुष्टि भी हुई है। इसके बाद अब मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। संचालक महिला एवं बाल विकास द्वारा जारी पत्र में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्तर पर तकनीकी विशेषज्ञों की टीम गठित कर साड़ियों की पुनः गुणवत्ता जांच कराएं। यदि जांच में मापदंडों से किसी प्रकार का विचलन पाया जाता है, तो संबंधित एजेंसियों और आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही, जिन स्थानों पर निम्न गुणवत्ता की साड़ियां वितरित हुई हैं, वहां उन्हें तत्काल वापस लेकर गुणवत्तापूर्ण नई साड़ियां उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ लोगों द्वारा इस मामले को लेकर भ्रामक एवं नकारात्मक प्रचार किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि शासन स्तर पर पूरे मामले को संज्ञान में लेकर पारदर्शी ढंग से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अन्नदाता की आंखों में आंसू : 'जितनी खाद ली नहीं, उससे चार गुना कर्ज चढ़ा दिया', कलेक्टर से लगाई न्याय की गुहार

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नवगठित जिले के सेवा सहकारी समिति डोकराभाठा में एक बहुत बड़ा भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। यहाँ के सैकड़ों गरीब किसानों के नाम पर बिना उनकी अनुमति के लाखों रुपये का फर्जी खाद और केसीसी लोन दर्ज कर दिया गया है।

धोखाधड़ी का तरीका:

जब किसान अपना पुराना कर्ज चुकाने समिति पहुंचे, तब उन्हें पता चला कि उनके नाम पर ऐसी खाद और लोन की राशि चढ़ी हुई है, जो उन्होंने कभी ली ही नहीं।

उदाहरण बतौर किसान परसादू राम साहू के नाम पर 94,750 रुपये और मूलचंद साहू के नाम पर 49,263 रुपये का फर्जी कर्ज दर्ज मिला।

इसी तरह कई किसानों के नाम पर 25,000 से लेकर 1,00,000 रुपये तक का अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है।

अधिकारियों का तानाशाही रवैया:

किसानों का आरोप है कि जब उन्होंने वर्तमान प्रभारी प्रबंधक जगमोहन जोशी से इस विसंगति पर सवाल किया, तो उन्होंने अभद्र व्यवहार करते हुए कहा— "जो करना है कर लो।" किसानों ने इस हेराफेरी के लिए तत्कालीन प्रबंधक विवेक कुमार मिश्रा और ऑपरेटर को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला किसान कांग्रेस के नेतृत्व में किसानों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। अपर कलेक्टर सुरेंद्र ठाकुर ने तत्काल कड़े कदम उठाते हुए एक विशेष जांच टीम गठित की है और दो दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। "जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति नहीं होनी चाहिए। अगर दोषियों को जल्द से जल्द जेल नहीं भेजा गया और किसानों के सिर से यह फर्जी कर्ज नहीं हटाया गया, तो हम उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।"

दुर्ग पुलिस का सख्त एक्शन : अड्डेबाजों और खुलेआम शराबखोरी पर चला डंडा, 46 पर कार्रवाई

जिले की कानून व्यवस्था को बनाए रखने दुर्ग पुलिस जारी है अभियान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में कानून व्यवस्था को लेकर दुर्ग पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है। सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने 46 लोगों पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की है। यह अभियान 11 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक लगातार तीन दिनों तक चलाया गया, जिसमें जिले के सभी थाना क्षेत्रों में समन्वित कार्रवाई की गई।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आबकारी अधिनियम एवं प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत यह कार्रवाई की गई है। अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ रही असामाजिक गतिविधियों पर लगाम कसना और आम नागरिकों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

बॉक्स..थाना वार कार्रवाई का ब्योराः इस विशेष अभियान में थाना छावनी से 08, पुलगांव से 07, नेवई से 06, नंदिनी नगर से 04, जामुल से 04, मोहन नगर से 03, उतई से 03, पाटन से 02, वैशाली नगर से 02, भिलाई नगर से 02, पद्मनाभपुर से 02, सुपेला से 01, खुर्सीपार से 01 तथा चौकी नगपुरा से 01 प्रकरण दर्ज किए गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई केवल शुरुआत है और भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। जिले में पेट्रोलिंग बढ़ाई गई है और संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

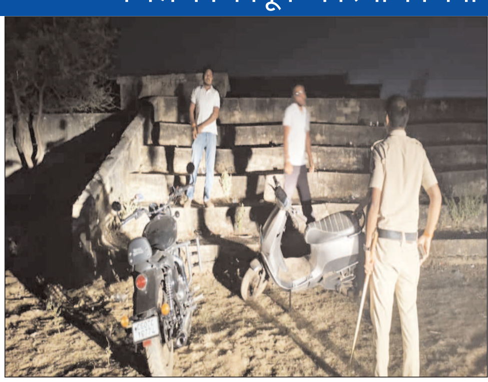

सराहनीय समन्वय, सख्त संदेश इस पूरे अभियान में जिले के सभी थाना प्रभारियों और पुलिस स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही। लगातार निगरानी और त्वरित कार्रवाई से पुलिस ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि सार्वजनिक स्थानों पर कानून तोड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

दुर्ग पुलिस की अपील दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और अड्डेबाजी जैसी गतिविधियों से दूर रहें तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

समाज में न्याय और समानता की प्रेरणा देता रहेगा बाबा साहेब का जीवन : मुख्यमंत्री

रायपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का भव्य अनावरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सामने स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर चौक में उनकी 21 फीट ऊंची पंचधातु से निर्मित भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के नेतृत्व और उनके द्वारा निर्मित भारतीय संविधान ने वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया है। उनके विचार आज भी समाज को न्याय और समानता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति की मांग पर मंगल भवन, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न निर्माण एवं जीणीद्धार कार्यों के लिए 60 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि स्थानीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान किया है। इसी कारण आज समाज के सभी वर्गों को अपने जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों में भी कोलंबिया विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है।

उन्होंने कहा कि आज देश के प्रत्येक कोने में बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो उनके प्रति लोगों के अटूट सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक हैं। रायपुर सहित पूरे प्रदेश में उनकी जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है, जिससे नई पीढ़ी निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर रही है।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बाबा साहेब के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति वहां की महिलाओं की स्थिति से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारतह्व के लक्ष्य के साथ छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ह्व के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें बाबा साहेब के आदर्श मार्गदर्शक हैं।

कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

खास खबर

शहर कांग्रेस की नई टीम में युवाओ को मिली जगह, रतन सिंगी बनाए गए सचिव

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

शहर कांग्रेस कमेटी खैरागढ़ की नई कायर्कारिणी की घोषणा कर दी गई है। संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के उद्देश्य से नई टीम का गठन किया गया है।। जारी सूची में रतन सिंगी को शहर कांग्रेस कमेटी का सचिव नियुक्त किया गया है।।यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज की अनुशंसा पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं महासचिव राष्ट्रीय कांग्रेस भूपेश बघेल, प्रदेश महासचिव मलकीत सिंह गैंदू,विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा, जिला अध्यक्ष कोमल साहू की सहमति से शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज द्वारा जारी की गई।। नव नियुक्त सचिव रतन सिंगी की नियुक्ति पर जैन समाज और विभिन्न वर्गों में समाज हर्ष का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन के लिए सकारात्मक कदम बताते हुए विश्वास जताया है कि उनके अनुभव और सक्रियता से पार्टी को मजबूती मिलेगी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज ने कहा कि नई टीम जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाने, संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम करेगी।।उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समन्वय और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव के पूर्व अध्यक्ष पदम कोठारी, विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन, नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन, सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने रतन सिंगी को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर शोषण, आरोपी गिरफ्तार : रायपुर से बालिका बरामद

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर भगाने और उसके साथ शारीरिक शोषण करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कारर्वाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बालिका को रायपुर से सकुशल बरामद कर परिजनों को राहत दी है।

मामले के अनुसार, 24 नवंबर 2025 को बालिका के पिता ने थाना डोंगरगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस टीम लगातार बालिका और आरोपी की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बालिका के रायपुर में होने की जानकारी मिली। तत्काल पुलिस टीम को रवाना किया गया, जहां से बालिका को आरोपी उमेश यादव के कब्जे से बरामद किया गया।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने नाबालिग को शादी का प्रलोभन देकर अपने साथ भगाया और उसके साथ शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस ने आरोपी उमेश यादव (21 वर्ष), निवासी डोंगरगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 64(2)(एम), 65(1) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी केशरी नंदन नायक के पयर्वेक्षण में थाना प्रभारी संतोष जायसवाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। कार्रवाई में निरीक्षक संतोष जायसवाल, उपनिरीक्षक गीतांजली सिन्हा, सहायक उपनिरीक्षक मुजीब रहमान कुरैशी एवं आरक्षक ऋतेश गात्रे की विशेष भूमिका रही।

एकता कप टूर्नामेंट में हॉकी का बढ़ा रोमांच

फाइनल मैच आज, खिलाड़ियों के बीच होगा रोमांचक मुकाबला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला हॉकी संघ दुर्ग द्वारा सिविल लाइन हॉकी ग्राउंड में आयोजित 4 दिवसीय एकता कप फ्लड लाइट हॉकी टूर्नामेंट का मुख्य अतिथि भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और समाजसेवी इंद्रजीत सिंह (छोटू) ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी सबा अंजुम, भाजपा नेता विनोद चंद्राकर, कांग्रेस नेता अय्युब खान अतिथि के रुप में मौजूद रहे।

जिला हॉकी संघ द्वारा टूर्नामेंट को रोमांचक बनाने 7 ए साईड प्रारुप पर आयोजित टूर्नामेंट में देश व प्रदेश की कुल 20 हॉकी टीमें हिस्सा ले रही है। जिनमें नागपुर, भुसावल(महाराष्ट्र), उमरिया, सिवनी (म.प्र.), दुर्ग, राजनांदगांव,कवर्धा,कुरुद, रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, जगदलपुर (छ.ग.), एचटीसी के अलावा अन्य टीमें शामिल है। उद्घाटन अवसर पर सभी अतिथियों ने हॉकी खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। टूर्नामेंट का फाइनल मैच आज 14 अप्रैल, मंगलवार को शाम 7 बजे खेला जाएगा। सेमी फाइनल मैच सोमवार को एचटीसी दुर्ग व डीएचए बिलासपुर और भुसावल व सिवनी के मध्य खेला गया। इसके पहले क्वार्टर फाइनल मैचों में डीएचए बिलासपुर, एचटीसी दुर्ग, भुसावल,सिवनी की टीमें रोमांचक मैच में विजयी रही।

आयोजन में जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष अय्युब इरफान, सचिव जहांगीर खान, उपाध्यक्ष सूर्यमणि मिश्रा, सुनील नवघरे, वहीद खान, अब्दुल हनीफ खान, मोहम्मद एजाज कुरैशी, सहसचिव रशीद अली खान, खुर्शीद बख्श, फहीम खान, मोहम्मद फारुख, उबेद कुरैशी, धीरेन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष नियाजुद्दीन शेख, सह कोषाध्यक्ष इशाक खान, हॉकी खिलाड़ी विनोद वाघ, दलबीर सिंह, डॉ. अजय लांजीवार, मिर्जा शफी अहमद, नजुमुद्दीन, अंसार खान, गुलाम रहमानी, विनीता नवघरे, भूमि उपाध्याय एवं अन्य खिलाड़ी योगदान दे रहे है।

मुख्यमंत्री विष्णु साय करेंगे 515 नई पैक्स समितियों का आज करेंगें वर्चुअल शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में सहकारिता को नई दिशा देने और किसानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग द्वारा 515 नई प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का गठन किया गया है। इन समितियों का वर्चुअल शुभारंभ 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटलनगर से किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि सहकारिता मंत्री केदार कश्यप कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता विभाग के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना के स्वागत उद्बोधन से होगा एवं अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप प्रदेश में सहकारिता विस्तार की रूपरेखा एवं उसके लाभों पर प्रकाश डालेंगे।सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि नई पैक्स समितियों के गठन से किसानों को ऋण, खाद, बीज तथा अन्य कृषि सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर सहज रूप से उपलब्ध होंगी। इससे हमारे अन्नदाता किसानों को अब दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और समय व संसाधनों की बचत भी होगी। साथ ही किसानों को शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि इस पहल से शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा तथा उनका लाभ सीधे ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचेगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और गांवों के समग्र विकास को गति मिलेगी। सहकारिता मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि केंद्र सरकार की यह पहल छत्तीसगढ़ में सहकारिता तंत्र को सुदृढ़ करते हुए आत्मनिर्भर ग्रामीण-अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने उद्बोधन में राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों और सहकारिता आधारित विकास मॉडल को रेखांकित करेंगे। छत्तीसगढ़ के सहकारी जनप्रतिनिधिगण, अपेक्स बैंक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पैक्स सोसाइटी के प्रतिनिधि आदि होंगे शामिल।

लखनपुर में नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

थाना लखनपुर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अभिषेक दास को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

प्राथिर्या ने थाना लखनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 12 अप्रैल 2026 को गोरता निवासी अभिषेक दास उसके घर में घुस आया और नाबालिग पुत्री से प्यार करने की बात कहकर जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। प्राथिर्या की रिपोर्ट पर थाना लखनपुर में अपराध क्रमांक 99/26 धारा 65(1), 332 बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और प्राथिर्या व पीड़िता का कथन दर्ज किया। आरोपी की तलाश में जुटी टीम ने अभिषेक दास, पिता संजू दास, उम्र 19 वर्ष, निवासी गोरता थाना लखनपुर को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने नाबालिग से दुष्कर्म की घटना करना स्वीकार कर लिया। अपराध प्रमाणित पाए जाने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि नाबालिग संबंधी अपराधों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

इस संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर उप निरीक्षक संपत पोटाई, सहायक उप निरीक्षक निमर्ला कश्यप, प्रधान आरक्षक पीताम्बर सिंह, आरक्षक सोहन राजवाड़े एवं केशर पैकरा की सक्रिय भूमिका रही।

भगवान राग से नहीं, अनुराग से मिलते है : आचार्य नरेन्द्र नयन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

एक बार की सत्य घटना है मीराबाई वैराग्य होने के बाद उनका मन,हृदय,आत्मा सदैव भग्वत भक्ती, भजन और साधु-संतो की संगत और सेवा मे ही लगा रहता था।।एक बार देर रात तक भजन चला, ब्रम्ह काल मे मीरा को भजन कीर्तन के साथ ही समाधि लग गई, तब साधु-संत मीरा को अपने अगले पडाव का पता छोड़कर और एक दिवार पर लिख गए कि मीरा थोडा राग से भजन गाया करो तो मीरा बिना विचलित हुए उस राग के आगे "अनु"जोड़कर आगे बढ गई, जिसके बाद वह राग अब अनुराग बन गया, सार यही है कि आप कितने ही सुरताल,वाद्ययंत्र, संगतकारो के साथ भजन करते रहो,परन्तु यदि आपके हृदय मे प्रभु के प्रति अनुराग नही है तो आपके कभी कल्याण नही होने वाला है,और सदियों से हर धर्म, सम्प्रदाय, के गुरूओं ने यही किया है,कि अपने अपने शिष्यो के हृदय मे प्रभु भक्ति के प्रति अनुराग पैदा करने की कोशिश की है,फिर चाहे भजन कितना ही कर्कश आवाज मे किया जाए कोई अंतर नही पडने वाला है।।

उपरोक्त उद्गार यहा नवीन जिला खैरागढ छुईखदान गंडई जिला मुख्यालय से लगभग बारह कि मी दूर स्थित ग्राम देवरी मे आयोजित श्रीमद्भागवत कथा पंडाल मे सैकडों श्रद्धालुओं सेवको, व सनातनियो के मध्य आचार्य नरेन्द्र नयन शास्त्री (चाय वाले बाबा) ने कही, आपने प्रभु कृपा प्राप्ति के मार्ग को परिभाषित करते हुए बताया कि पहले भजन सिर्फ भगवान को समर्पित हुआ करता था,तब उसमे अनुराग हुआ करता था,प्रेम होता था,प्रेम मे त्याग ही त्याग होता था,पाना कुछ नही था तब जब चाहो भगवान मिला करते थे,मीराबाई, सूर, कबीर,संत ज्ञानेश्वर, तुलसी रैदास,रसखान ये सभी भक्तिकाल के उदाहरण है,आज की मांग शानदार पंडाल, माईक ,भजन की टुकड़ियां ,यूट्यूब,इंस्टाग्राम, है,सबसे महत्वपूर्ण राग है,यहां बहुतो के प्रति राग भी नही होता है।केवल जलनखोरी होती है, बाद मे जब कर्म का वही प्रतिफल आपके दुखो का कारण बनता है,अतः हमे जीवन का हर कार्य हर कर्म प्रभु का काम समझकर करना चाहिए, तब हृदय मे त्याग और प्रेम का जागरण होगा फिर यदि प्रभु ने चाहा तो वही अनुराग बनेगा,और जहां भगवान के प्रति अनुराग हो तो भगवान शबरी के बेर खाने भक्त को खोजते हुए वन तक आते है।।

ज्ञात हो कि आचार्य नरेन्द्र नयन जी चाय वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध है केवल चावल देखकर अपने ज्ञान से सटिक गणना बताते है प्रतिदिन सुबह 9 से 12 बजे तक उनका दरबार लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग एक मुट्ठी चावल ले कर दरबार में उपस्थित हो कर अपने समस्याओं एवं परेशानीयो से निजात मिलने की उम्मीद लेकर पहुच भी रहे हैं और खास बात यह है कि चाय वाले बाबा अपने द्वारा किए गए भागवत कथा का सारा चढावा गरीब बेटियो को दान कर देते है ग्राम देवरी मे आपके श्रीमुख से कथा श्रवण करने ग्रामीण जनो के अलावा सैकडो शिष्य कथा स्थल पर आ रहे है।।

बिलासपुर में छात्रा की आत्महत्या से सनसनी, शादी के दबाव और पारिवारिक विवाद की आशंका

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

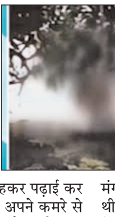

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में एक होनहार छात्रा की आत्महत्या ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीए एलएलबी की पढ़ाई कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने कथित तौर पर शादी के दबाव और पारिवारिक तनाव के चलते फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मिली जानकारी के अनुसार, रायगढ़ निवासी सृष्टि गुप्ता पिछले दो वर्षों से कोनी थाना क्षेत्र स्थित रिवर व्यू कॉलोनी में रहकर पढ़ाई कर रही थी। मंगलवार सुबह जब वह अपने कमरे से बाहर नहीं निकली, तो आसपास रहने वाली अन्य छात्राओं को संदेह हुआ। दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो छात्रा का शव पंखे से लटका मिला। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने पंचनामा कारर्वाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई है कि छात्रा पर परिजनों द्वारा शादी के लिए दबाव बनाया जा रहा था। साथ ही, एक दिन पहले उसका अपने पिता से किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था। बताया जा रहा है कि छात्रा सोमवार रात दोस्तों के साथ थी और मंगलवार तड़के करीब 4 बजे अपने कमरे पर लौटी थी, जिसके कुछ समय बाद यह घटना सामने आई। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

नवनिर्मित सोसायटी का शुभारंभ सीएम साय ने किया वर्चुअल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राज्य के नवगठित 515 समितियों का वर्चुअल शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में दोपहर 12.30 से 1.30 बजे के मध्य नियत किया गया था।

यह कार्यक्रम निर्धारित समय में ग्राम अंजोरा में नव निर्मित सोसायटी का शुभारंभ पूर्व मुख्य मंत्री विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह क्षेत्र से आये हुए किसानों को सम्बोधित किये अंजोरा क्षेत्र के किसानों अपना फसल बेचने सोमनी सोयायटी जाना पड़ता था अपने क्षेत्र के किसानों की समस्या को देखते हुए अंजोरा, नवागांव,मनकी,आरला अपने विधानसभा क्षेत्र में नए धान खरीदी केन्द्र खोलकर किसानों को बड़ी राहत दी है,अंजोरा क्षेत्र के किसानों ने डॉ. रमन सिंह जी को विडियो कांन्फ्रेंस के माध्यम से आभार व्यक्त किया। अंजोरा के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अगुवानी करने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल सहित क्षेत्र के नेतागण कार्यकर्ता गण क्षेत्र के किसान

जनप्रतिनिधियों, बैंको के प्राधिकृत अधिकारियों/ अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष एवं समितियों के प्राधिकृत सदस्य गण सम्मलित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी कृष्णा तिवारी ने आभार जताया।

ऑपरेशन तलाश : 13 दिन में 192 गुमशुदा बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए दुर्ग पुलिस ने ऑपरेशन तलाश के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। महज 13 दिनों के भीतर 192 गुमशुदा लोगों को सुरक्षित बरामद कर पुलिस ने न सिर्फ अपनी कायर्कुशलता दिखाई, बल्कि सैकड़ों परिवारों के चेहरे पर खोई मुस्कान भी लौटा दी।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 1 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक चलाए गए इस विशेष अभियान में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अलग-अलग टीमों का गठन कर सुनियोजित तरीके से तलाश अभियान चलाया गया। तकनीक और जमीनी नेटवर्क के सटीक इस्तेमाल से यह अभियान एक मिसाल बन गया।

तकनीक और टीमवर्क का असर गुमशुदा व्यक्तियों की खोज में पुलिस ने उउळश फुटेज, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग, तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र का प्रभावी उपयोग किया। जरूरत पड़ने पर अन्य जिलों और राज्यों की पुलिस से भी समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

बरामदगी का आंकड़ा इस अभियान के दौरान कुल 192 लोगों को सुरक्षित दस्तयाब किया गया, जिनमें 05 बालक, 09 बालिकाएं, 127 महिलाएं और 51 पुरुष शामिल हैं।

अधिकांश मामलों में इन्हें सकुशल परिजनों को सौंप दिया गया, जिससे परिवारों में राहत और संतोष का माहौल देखने को मिला। जमीनी स्तर पर सक्रियता बनी सफलता की कुंजी अभियान की सफलता में जिले के सभी थाना प्रभारियों, विवेचना अधिकारियों और पुलिस स्टाफ की सक्रिय भूमिका रही। लगातार पेट्रोलिंग, तकनीकी निगरानी और त्वरित निर्णय क्षमता ने इस अभियान को प्रभावी बनाया।

दुर्ग पुलिस की अपील दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने परिवार, विशेषकर बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। किसी भी व्यक्ति के गुम होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाना या डायल 112 पर सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर सकुशल खोजबीन की जा सके।

दुर्ग पुलिस की यह पहल न सिर्फ कानून व्यवस्था को मजबूत करती है, बल्कि समाज में भरोसे की नई नींव भी रखती है।

संपादकीय

बिहार का सम्राट और राजनीति का रियलिटी शो"

बिहार की राजनीति में अगर कुछ स्थायी है, तो वह है— अस्थिरता का स्थायित्व। और इसी रंगमंच पर एक नया, पुराना और फिर से नया चेहरा पूरे आत्मविश्वास के साथ उभरता है—सम्राट चौधरी। नाम में सम्राट, राजनीति में यात्रा, और परिस्थितियों में लचीलापन—इन तीनों का अनोखा संगम हैं सम्राट जी।

उनका सफर किसी राजनीतिक करियर से ज्यादा एक रियलिटी शो जैसा लगता है—जहाँ हर सीजन में नई पार्टी, नया रोल और नया नैरेटिव। शुरुआत लालू प्रसाद यादव की पाठशाला से, फिर नीतीश कुमार के साथ सियासी केमिस्ट्री, और अंततः भाजपा में फुल-टाइम एक्शन हीरो की एंट्री। इसे अगर विचारधारा का विस्तार कहा जाए, तो फिर राजनीति में जीपीएस की जरूरत ही खत्म हो जाती है—रास्ता खुद ही बदल जाता है।

सम्राट चौधरी की सबसे चर्चित पहचान रही उनकी मुरैठा प्रतिज्ञा—जब तक नीतीश कुमार सत्ता से हटेंगे नहीं, तब तक पगड़ी नहीं उतरेगी। लेकिन राजनीति भी बड़ी दिलचस्प चीज है—नीतीश जी वापस आए, पगड़ी उतर गई, और सम्राट जी उपमुख्यमंत्री बन गए। इसे कहते हैं वचन भी निभा लिया और व्यवस्था भी बचा ली।

भाजपा ने उन्हें सिर्फ एक नेता के तौर पर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक निवेशके रूप में आगे बढ़ाया है—खासकर लव-कुश समीकरण साधने के लिए। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या बिहार में भाजपा को अपना चेहरा खड़ा करने के लिए अब भी ट्रांसफर विंडो पर निर्भर रहना पड़ेगा? या फिर यह मान लिया जाए कि बिहार की राजनीति में स्थानीय उत्पादन से ज्यादा आयातित नेतृत्व ही बिकता है? सम्राट चौधरी की ताकत उनकी आक्रामकता है, लेकिन चुनौती उनकी स्थिरता होगी। सड़क की राजनीति को सदन की गंभीरता में बदलना हर नेता के बस की बात नहीं होती। बिहार जैसे जटिल राज्य में, जहाँ जाति, समीकरण और भावनाएँ एक साथ चुनाव लड़ती हैं, वहाँ सम्राट बनना आसान है, स्वीकार्य बनना कठिन। अंततः, सम्राट चौधरी उस नई राजनीति का प्रतीक हैं, जहाँ विचारधारा से ज्यादा स्थिति मायने रखती है। बिहार की जनता अब यह देख रही है कि यह सम्राट सिर्फ नाम का है या वाकई शासन का नया अध्याय लिख पाएगा। क्योंकि बिहार में एक पुरानी कहावत है—

यहाँ ताज पहनना आसान है, लेकिन उसे संभालना सबसे मुश्किल। बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के सम्राट चौधरी ने आज 15 अप्रैल को सुबह बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। सम्राट चौधरी के साथ जनता दल (यूनाइटेड) से दो वरिष्ठ नेताओं ने विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को डिप्टी सीएम की शपथ दिलाई गई है। यह बिहार के इतिहास में पहली बार है जब भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री पद की कमान संभाल रहा है। शपथ ग्रहण समारोह सुबह 10:50 बजे पटना स्थित लोक भवन में हुआ, जिसमें बिहार के राज्यपाल ने सम्राट चौधरी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समारोह में नीतिश कुमार भी थे और एक तरह से उनके लगभग दो दशक के मुख्यमंत्रित्वकाल का समापन हो गया। बिहार में करीब 20 वर्षों के बाद मुख्यमंत्री के चेहरे में इतना बड़ा परिवर्तन देखा गया है। मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों और विभागों के बंटवारे को लेकर जल्द ही आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है।

सम्राट ने ली मुख्यमंत्री की शपथ

पुरानी त्रासदी से सबक नहीं, फिर दोहराया गया दर्द

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सक्ती जिले स्थित विदांत के पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर हुए भीषण बॉयलर ब्लास्ट ने 16 मजदूरों की जान ले ली, जबकि 30 से अधिक श्रमिक गंभीर रूप से झुलसकर अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। यह घटना डभरा थाना क्षेत्र के सिंघीतराई स्थित संयंत्र में उस समय हुई, जब रोज की तरह सामान्य कार्य जारी था। दोपहर करीब 2 बजे अचानक हुए इस विस्फोट ने पूरे प्लांट को दहला दिया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और प्रशासन की टीम पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। कई घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। लेकिन यह पहली बार नहीं है जब छत्तीसगढ़ में किसी बड़े औद्योगिक संयंत्र में इस तरह की भयावह घटना हुई हो।

15 साल पुराना जख्म अब भी ताजा

सितंबर 2009 में कोरबा स्थित (बालको) के 1200 मेगावाट बिजली संयंत्र में निर्माणाधीन 110 मीटर ऊंची चिमनी गिर गई थी। इस हादसे में 40 से अधिक मजदूर मलबे में दबकर मौत के शिकार हो गए थे। उस समय भी सुरक्षा मानकों की अनदेखी और निर्माण में लापरवाही के गंभीर आरोप लगे थे।

मामले में निर्माण से जुड़ी कंपनियां, जिनमें सेपको और सहित कुल पांच कंपनियों को आरोपी बनाया गया। रएढउड के इंजीनियरों पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज हुआ, लेकिन वे भारत छोड़कर चले गए और आज तक अदालत के सामने पेश नहीं हुए। करीब 15 वर्षों तक यह मामला अदालतों में उलझा रहा। वर्ष 2025 में जाकर कोर्ट ने इसे गंभीर मानते हुए कंपनियों और उनके अधिकारियों को आरोपी बनाया, लेकिन अब तक न तो दोष तय हो सका है और न ही किसी को सजा मिली है।

सवाल वही—क्या मजदूरों की जान की कोई कीमत नहीं?बालको हादसे के पीड़ित परिवार आज भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं। वर्षों से चल रही सुनवाई के बावजूद जब जिम्मेदारी तय नहीं हो पाई, तो अब सक्ती जिले की इस ताजा घटना ने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है—क्या मजदूरों की मौत यूं ही फाइलों में दबकर रह जाएगी? वेदांता प्लांट में हुए इस हादसे के बाद भी शुरुआती जांच और बयानबाजी का दौर शुरू हो चुका है, लेकिन लोगों के मन में आशंका गहराती जा रही है कि कहीं यह मामला भी बालको हादसे की तरह लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझकर ठंडे बस्ते में न चला जाए।

जवाबदेही तय होगी या फिर इतिहास दोहराया जाएगा?

विशेषज्ञों का मानना है कि औद्योगिक सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निगरानी तंत्र की कमजोरी और दोषियों पर समय रहते कारर्वाई न होना ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति का बड़ा कारण है। जब तक जिम्मेदार कंपनियों और अधिकारियों पर सख्त कारर्वाई नहीं होगी, तब तक मजदूरों की सुरक्षा केवल कागजों तक सीमित रहेगी।

सक्ती की इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन, न्याय व्यवस्था और उद्योग प्रबंधन के सामने कड़ा प्रश्न खड़ा कर दिया है— क्या इस बार 16 मजदूरों की मौत का जिम्मेदार तय होगा, या फिर यह मामला भी सालों तक अदालतों में भटकता रहेगा?

साय सरकार की पहल से सशक्त हुईं महिलाएं : हमेश्वरी राठौर बनीं लखपति दीदी

हमेश्वरी राठौर/ कांकेर

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास अब सार्थक परिणाम दे रहे हैं। इसका प्रेरक उदाहरण गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत लालपुर की हमेश्वरी राठौर हैं, जो आज लखपति दीदीह्व के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं।

एक सामान्य ग्रामीण महिला से आत्मनिर्भर उद्यमी बनने तक का उनका सफर संघर्ष, साहस और सफलता की मिसाल है। हमेश्वरी राठौर रिद्धी-सिद्धी स्वसहायता समूह से जुड़ीं, जहां उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आर्थिक सहयोग और प्रशिक्षण मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने 5 लाख 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया, जो उनके जीवन में परिवर्तन का आधार बना। इस राशि का उपयोग उन्होंने कृषि और छोटे व्यवसाय को विकसित करने में किया। सब्जी उत्पादन को मुख्य आय का स्रोत बनाते हुए उन्होंने टमाटर, गोभी, अदरक, बरबट्टी और हल्दी जैसी फसलों की खेती शुरू की। साथ ही, उन्होंने सेंटरिंग प्लेट का कार्य भी शुरू किया, जिससे उनकी आय के अतिरिक्त स्रोत बने।

शुरुआती दौर में मौसम की अनिश्चितता, बाजार की चुनौतियां और लागत जैसी कठिनाइयां सामने आईं, लेकिन विष्णुदेव साय सरकार की योजनाओं से मिले मार्गदर्शन और स्वसहायता समूह के सहयोग ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अपने परिश्रम और दृढ़ निश्चय के बल पर उन्होंने हर बाधा को पार किया।

आज हमेश्वरी राठौर की वार्षिक आय लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसने उन्हें लखपति दीदीह्व बना दिया है। उनकी सफलता ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि वे क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं।

हमेश्वरी राठौर की यह उपलब्धि दर्शाती है कि विष्णुदेव साय सरकार की महिला-केंद्रित योजनाएं और स्वसहायता समूहों का सशक्त नेटवर्क ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

साय सरकार की संवेदनशील पहल से बदली जिंदगी : कच्चे घर से पक्के आशियाने तक पहुंचीं गायत्री बाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाएं अब जमीनी स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। इसका सजीव उदाहरण जनपद पंचायत गौरेला के ग्राम पंचायत सेमरा की निवासी गायत्री बाई हैं, जिनका जीवन अब पूरी तरह बदल चुका है।

कभी जर्जर कच्चे मकान में रहने को मजबूर गायत्री बाई और उनका परिवार हर मौसम में मुश्किलों का सामना करता था। बारिश के दिनों में छत टपकती थी, दीवारें कमजोर थीं और परिवार के सदस्यों को हर समय असुरक्षा का डर बना रहता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए एक अधूरा सपना ही था।लेकिन विष्णुदेव साय सरकार की प्राथमिकता में शामिल गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए आवास उपलब्ध कराने की नीति ने उनके जीवन को नई दिशा दी। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत गायत्री बाई का चयन हितग्राही के रूप में हुआ और उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई।

सरकार की इस मदद और अपनी मेहनत के बल पर गायत्री बाई ने धीरे-धीरे अपने सपनों का घर बनाना शुरू किया। ग्राम पंचायत और जनपद स्तर से मिले निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग ने इस प्रक्रिया को सरल बनाया। कुछ ही महीनों में उनका पक्का, सुरक्षित और सुंदर घर तैयार हो गया।

अब गायत्री बाई और उनका परिवार हर मौसम में बिना किसी परेशानी के एक सुरक्षित और स्वच्छ घर में सम्मानपूर्वक जीवन जी रहे हैं। बच्चों को भी अब बेहतर वातावरण मिल रहा है, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत हो रही है। गायत्री बाई भावुक होकर कहती हैं, ह्लसाय सरकार की इस योजना ने हमारे जीवन को बदल दिया है। पहले हम हर समय डर और चिंता में रहते थे, लेकिन अब हमारे पास अपना सुरक्षित घर है। विष्णुदेव साय सरकार की जनहितकारी योजनाएं न केवल लोगों को सुविधाएं प्रदान कर रही हैं, बल्कि उनके जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास भी ला रही हैं।

भिलाई में मनी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय संविधान के शिल्पकार और 'भारत रत्न' डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की 135वीं जयंती के अवसर पर आज भारतीय जनता युवा मोर्चा भिलाई द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

प्रतिमा पर माल्यार्पण और संकल्प: कैंप मंडल के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 30, प्रगति नगर (राम जानकी मंदिर, सुभाष चौक) में स्थापित डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। युवा मोर्चा के सदस्यों ने इस अवसर पर बाबा साहेब के मूल मंत्र 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' को आत्मसात करने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर जी का जीवन केवल एक व्यक्ति की गाथा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा का पुंज है। उनके द्वारा रचित संविधान ने देश को एकता के सूत्र में पिरोया है। समानता और सामाजिक समरसता के जिस मार्ग को उन्होंने दिखाया, उस पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से आदित्य पिपरे (प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख एवं संभाग प्रभारी), आकाश ठाकुर (भाजयुमो प्रदेश मंत्री), अमित मिश्रा (प्रदेश सह प्रमुख आईटी सेल) सौरभ जायसवाल (जिला अध्यक्ष भाजयुमो), शिरीष अग्रवाल (प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा), निहारिका मिश्रा, त्रिलोचन सिंह (जिला उपाध्यक्ष), विजय सिंह (जिला प्रवक्ता), विनय सेन (जिला महामंत्री भाजयुमो) लाहौरी प्रसाद (अध्यक्ष, आंबेडकर विकास समिति), खगेश कोसरिया (अध्यक्ष, एससी मोर्चा), मनोज तिवारी (संयोजक, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ) तरुण सिंह (कैंप मंडल अध्यक्ष), लतेल यादव (महामंत्री), अशोक गुप्ता (किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य), संजय जायवाल, सत्या देवी जायवाल (पार्षद), विनोद चेलक (पार्षद), रश्मि साव (जिला मंत्री महिला मोर्चा) साथ ही नितेश मिश्रा, दुर्गेश चौधरी, अभिषेक मिश्रा, भोला साहू, राजकुमार जयवाल, तुषार देवांगन, नवीन सिंह, चन्दन यादव, अपर्णा मुखर्जी, जयंत शर्मा, रमेश चौधरी, रामानुज प्रसाद, धर्मेन्द्र पाण्डेय, राज मिश्रा, रामभुवन, लिंगेश्वर राव, आशुतोष तिवारी, भूपेश द्विवेदी, वीरू सोनकर, सोनू जैन, नितेश सिंह, कुणाल गुप्ता, अवतार सिंह गिल, अभिषेक पांडे, मनीष चौधरी, नरेंद्र वर्मा, अखिलेश सिंह, सतबीर सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में भर्ती हेतु 27 तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना जगदलपुर (ग्रामीण) द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत ग्राम पंचायत नेतानार के रंधारीरास केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का एक पद और ग्राम पंचायत माड़पाल के दीवानपारा केंद्र में आंगनबाड़ी सहायिका का एक पद भरा जाना है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202603101000149 /ब-121/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक श्रीमती विमला बाई आ. /ध.प. श्री खूबचंद साहू निवासी खेदामारा द्वारा ग्राम खेदामारा प.ह.नं. 11 रा.नि.मं. जेवरा सिरसा तह दुर्ग जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 782/21रकबा 0.0090 हे भूमि आवेदक के नाम पर दर्ज है। का आवासीय प्रयोजनार्थ पुनर्निर्धरण आदेश पारित किया गया है, जो वर्तमान में कृषि भूमि दर्ज है। जिसे ऑनलाइन राजस्व अभिलेख में परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने हेतु आवेदनमय दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। अतः जिस किसी भी व्यक्ति को कृषि भूमि से परिवर्तित भूमि दर्ज किये जाने में आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 29/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/ 04/26 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.क्र.20260310100 अ-6 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक यमुना ढीमर पति दुर्गेश ढीमर निवासी राजनांदगांव द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 6100, 6101 रकबा 0.030, 0.060 हे. भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानों का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 9.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: व्यक्तिगत सूचना::-

प्रति,

1. श्याम राव आ. मारोती राव 2. नजीर अली आ. आरमान अली निवासी नागपुर महाराष्ट्र पक्षकार-इंद्रजीत आ. स्व. मोहन लाल निवासी रामनगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग विरूद्ध अनावेदक छ.ग. शासन आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202602101000245/अ-6/वर्ष 2025-26 आवेदक इंद्रजीत पिता स्व. मनोहर लाल निवासी-रामनगर भिलाई पुराना तह. व जिला दुर्ग ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. कोहका स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि पुराना खसरा नं. 499/2 नया खसरा नं. 9060/1 रकबा 0.020 हे. भूमि का रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर दिनांक 07/07/2016 को विक्रेता मारोती राव आ. विट्ठल राव लाकुडकर से क्रय किया गया है.की बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है। अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 10/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

राष्ट्रपति ने गांधीनगर के लोक भवन में सामाजिक समरसता महोत्सव में भाग लिया

हमारे देश के समग्र, समावेशी और न्यायसंगत विकास के लिए सद्भाव की भावना अत्यावश्यक: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (14 अप्रैल, 2026) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर गुजरात के गांधीनगर स्थित लोक भवन में आयोजित 'सामाजिक समरसता महोत्सव' में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने देश की प्रगति और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में बहुआयामी योगदान दिया, जिसमें हमारे संविधान का निर्माण भी शामिल है। उन्होंने रेखांकित किया कि बाबासाहेब के विधि विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री और समाज सुधारक के रूप में योगदान पर व्यापक चर्चा हो चुकी है। यद्यपि, बैंकिंग प्रणाली, सिंचाई अवसंरचना, बिजली ग्रिड, श्रम प्रबंधन ढांचा और केंद्र एवं राज्यों के बीच राजस्व बंटवारे की व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में उनके कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रसारित करने के जरिए, नागरिक राष्ट्र निर्माता के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान को व्यापक रूप से समझ सकेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि बाबासाहेब ने हमेशा शिक्षा के महत्व पर बल दिया। हमारे संविधान में शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है और उच्च शिक्षण संस्थानों में हाशिए पर रहने वाले वर्गों के छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रावधान किए गए हैं। इन हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लोगों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना हम सबका सामूहिक दायित्व है। समग्र शिक्षा, विशेषकर नैतिक शिक्षा, के माध्यम से सामाजिक सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समस्त प्राणियों के प्रति करुणा और सामाजिक सद्भाव एक दूसरे के पूरक हैं। समस्त कल्याण और समाज की एकता आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। सच्चा सद्भाव तब प्रकट होता है जब व्यक्ति जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र के भेदों से ऊपर उठकर बिना किसी भेदभाव के समानता के सिद्धांत का पालन करते हैं। भारत माता के समस्त बच्चे एक हैं जो आत्मा से एकजुट और सद्भाव की भावना से बंधे हुए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश के समग्र, समावेशी और न्यायसंगत विकास के लिए सद्भाव की भावना आवश्यक है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि गुजरात में वृक्षारोपण, स्वच्छता, पशुपालन, कृषि विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं जैसी पहलों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ किया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सामाजिक सद्भाव के संदर्भ में, संविधान सभा में बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा दिए गए समापन भाषण का एक महत्वपूर्ण संदेश हमेशा प्रासंगिक रहेगा। उनके अनुसार, सामाजिक लोकतंत्र एक ऐसी जीवन शैली है जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को अपने मूलभूत सिद्धांतों के रूप में अपनाती है।

प्रधानमंत्री ने संसद परिसर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह संसद परिसर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा; 'आज सुबह संसद परिसर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।'

प्रधानमंत्री ने फार्मा सेक्टर में भारत की बढ़ती शक्ति के संबंध में लेख साझा किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख साझा किया है।

लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का फार्मा क्षेत्र अब ₹विश्व की फार्मेसी₹ से नवाचार के केंद्र में परिवर्तित हो रहा है। इसमें कहा गया है कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में व्यापक अनुसंधान एवं विकास, बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर्स और अत्याधुनिक उपचारों पर विशेष ध्यान दिया गया है क्योंकि भारत इस क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया है जिसमें कहा गया है-

भारत का फार्मा क्षेत्र "विश्व की फार्मेसी" से लेकर नवाचार के केंद्र तक मूल्य श्रृंखला में ऊपर की ओर बढ़ रहा है। वर्तमान सरकार के अंतर्गत व्यापक अनुसंधान एवं विकास, बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर्स और अत्याधुनिक उपचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।"

केंद्रीय मंत्री @JPNadda द्वारा लिखित यह समीक्षा अवश्य पढ़ें कि भारत इस क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा का नेतृत्व करने के लिए किस प्रकार से तैयारी कर रहा है।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

- **केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, पूर्व सांसदों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की**
- **बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जीवन एक महान संघर्ष की साहसिक गाथा है: लोक सभा अध्यक्ष**
- **बाबासाहेब की दूरदर्शि ने स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पीढ़ियों को प्रभावित किया तथा प्रेरणा के अविरल पुंज बन गए: लोक सभा अध्यक्ष**

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर कई केंद्रीय मंत्रियों, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे; राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश; सांसदों, पूर्व सांसदों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके उपरांत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला; केंद्रीय मंत्रियों, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, सांसदों एवं पूर्व सांसदों ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने भी संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

इसके पश्चात, लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (PRIDE) द्वारा संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित 'Know Your Leader' कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने अपनी प्रतिभा, समर्पण और दृढ़ निष्ठा के बल पर अपने जीवन की प्रत्येक चुनौती को अवसर में परिवर्तित किया। उन्होंने आगे कहा कि उनका जीवन, उनके आदर्श, उनके विचार तथा राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हम सभी के लिए चिरस्थायी प्रेरणा है।

डॉ. अम्बेडकर के प्रमुख योगदानों का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि संविधान में समानता का अधिकार तथा बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार जैसे प्रगतिशील प्रावधानों ने एक सशक्त भारत की नींव रखी, जो न केवल भारत के लोकतंत्र को बल्कि विश्व के अन्य लोकतंत्रों को भी निरंतर प्रेरित कर रहे हैं।

भारत के युवाओं को बाबासाहेब के विचारों का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए बिरला ने उन्हें सदैव 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा, कौशल, नवाचार और समर्पण भारत को और अधिक सशक्त तथा विकसित बनाएंगे।

इस अवसर पर बिरला ने X पर अपने संदेश में कहा कि, "बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जीवन एक महान संघर्ष की साहसिक गाथा है।विषम परिस्थितियों के बावजूद भी उन्होंने तमाम ऊँचाइयों को छुआ तथा अपने अदम्य साहस, कठोर परिश्रम और शिक्षा के बल पर न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि करोड़ों वंचितों और शोषितों के लिए आशा की नई किरण बन गए।

उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के मूल्यों को जीवन का ध्येय बनाया और इन्हीं आदर्शों को भारत के संविधान में समाहित कर राष्ट्र को एक सशक्त दिशा प्रदान की।

बाबासाहेब हमारे राष्ट्र के वह विशिष्ट रत्न हैं, जिनके जीवन व कार्यों ने स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पीढ़ियों को प्रभावित किया तथा प्रेरणा के अविरल पुंज बन गए।

संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसा दूरदर्शी दस्तावेज देश को दिया, जो आज भी लोकतंत्र की मजबूत नींव है और हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा, जागरूकता और संगठित प्रयासों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

आज जब हम विकसित और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, बाबासाहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका संघर्ष और दर्शन हमें अन्याय, असमानता और भेदभाव के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

डॉ. अम्बेडकर का प्रेरणादायी जीवन और उनके आदर्श सदैव हमें एक न्यायपूर्ण, समरस और सशक्त भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शन करते रहेंगे।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच बातचीत के लिए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव चीन पहुंचे

बीजिंग। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मंगलवार को ऑफिशियल दौरे पर चीन पहुंचे. रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि लावरोव 14-15 अप्रैल तक चीन में रहेंगे. रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 14-15 अप्रैल को विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव चीन के ऑफिशियल दौरे पर आएंगे और चीनी विदेश मंत्री वांग यी से बातचीत करेंगे. उनसे कई द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ जरूरी इंटरनेशनल और रीजनल मामलों पर भी बात करने की उम्मीद है. इससे पहले रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर बात करते हुए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका की भड़काऊ कार्रवाइयों के ग्लोबल शांति और सुरक्षा के लिए खतरनाक नतीजे हो सकते हैं. बातचीत के दौरान अराघची ने सीजफायर की घोषणा और उसके बाद इस्लामाबाद (11-12 अप्रैल) में हुई ईरान-अमेरिका बातचीत के बाद के ताजा क्षेत्रीय डेवलपमेंट का रिव्यू किया.

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका की भड़काऊ कार्रवाइयों के क्षेत्रीय और ग्लोबल शांति और सुरक्षा के लिए खतरनाक नतीजों की चेतावनी दी.

12 अप्रैल को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मिडिल ईस्ट में हुए नए डेवलपमेंट पर चर्चा की. पेजेशकियन ने 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई ईरान-अमेरिका बातचीत का अपना अंदाजा शेयर किया और हालात को कम करने के मकसद से इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर रूस के उसूलों वाले रुख की तारीफ की.

व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध के पॉलिटिकल और डिप्लोमैटिक हल को आसान बनाने और मिडिल ईस्ट में सही और पक्की शांति बनाने के लिए बीच-बचाव की कोशिशों को आगे बढ़ाने के लिए रूस की तैयारी को फिर से पक्का किया. इस बीच चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने सोमवार को कहा कि चीन खाड़ी इलाके में शांति और सुकून वापस लाने में आगे भी एक कंस्ट्रक्टिव रोल निभाने और योगदान देने के लिए तैयार है.

प्रधानमंत्री ली ने यह बात बीजिंग में यूनाइटेड अरब अमीरात के अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान से मुलाकात के दौरान कही. उन्होंने कहा कि जब से ईरान में लड़ाई शुरू हुई है, चीन संबंधित पार्टियों के साथ करीबी बातचीत में है और शांति को बढ़ावा देने और युद्ध खत्म करने के लिए पूरी तरह से तैयार है.

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर दिया बड़ा बयान, अमेरिका का भी लिया नाम

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी देशों के लिए खुला रखने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका ने इस स्ट्रेट की नाकेबंदी में ऑस्ट्रेलिया से किसी भी प्रकार की सहायता का अनुरोध नहीं किया है। अल्बनीज का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान के बीच हुई युद्धविराम वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में नाकेबंदी लगाने की घोषणा की है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना तुरंत कार्रवाई शुरू करेगी और जलडमरूमध्य में जहाजों के प्रवेश या निकास को रोकने के लिए नाकेबंदी लागू करेगी। यह कदम मध्य पूर्व में चल रहे तनाव को और बढ़ा सकता है, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट विश्व के तेल निर्यात का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इस क्षेत्र से गुजरने वाला अधिकांश तेल व्यापार इसी जलडमरूमध्य पर निर्भर करता है। वार्ता पाकिस्तान में हुई थी, जहां दोनों पक्षों के बीच 21 घंटे से अधिक की चर्चा के बावजूद कोई ठोस समझौता नहीं हो सका था। इसके बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा की है।

शांति वार्ता की दिशा में काफी प्रगति हुई, अब गेंद ईरान के पाले में: वेंस

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा कि इस्लामाबाद में शांति वार्ता के दौरान ईरान संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका की दिशा में आगे बढ़ा है और बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अगला कदम तेहरान को उठाना है.

अमेरिका और ईरान वीकेंड में इस्लामाबाद में 21 घंटे चली मैराथन शांति बातचीत में किसी समझौते पर नहीं पहुँच पाए, जिसमें वॉशिंगटन ने जोर दिया कि तेहरान न्यूक्लियर फ्यूल के एनरिचमेंट पर अपना अधिकार छोड़ दे. वेंस ने फॉक्स न्यूज को बताया, मैं सिर्फ यह नहीं कहूँगा कि चीजें गलत हुई. मुझे यह भी लगता है कि चीजें सही हुई. हमने बहुत प्रगति की है.

वेंस ने कहा, वे हमारी तरफ बढ़े, इसीलिए मुझे लगता है कि हम कहेंगे कि हमें कुछ अच्छे संकेत मिले, लेकिन वे काफी आगे नहीं बढ़े. अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने ईरानी डेलीगेशन के साथ बातचीत के लिए स्पेशल एन्वॉय स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर वाले डेलीगेशन को लीड किया था.

ईरानी डेलीगेशन में पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अरागची शामिल थे. वेंस ने ज़ोर देकर कहा कि अगर ईरान के न्यूक्लियर एम्बिशन पर अमेरिका की रेड लाइन्स पूरी होती है तो यह दोनों देशों के लिए बहुत, बहुत अच्छी डील हो सकती है.

वेंस ने कहा, चाहे हम आगे बातचीत करें, चाहे हम आखिरकार किसी डील पर पहुँचें, मुझे सच में लगता है कि गेंद ईरान के पाले में है, क्योंकि हमने बहुत कुछ दांव पर लगा दिया है. वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि पाकिस्तान शांति वार्ता आखिरकार इसलिए खत्म हो गई क्योंकि ईरानी नेगोशिएटर डील को फाइनल नहीं कर पाए और कहा कि बातचीत से यह पता चला कि तेहरान में फैसले लेने का अधिकार किसके पास है.

उन्होंने समझाया, हमें जो पता चला वह यह है कि वे, मुझे लगता है जो टीम वहाँ थी, वह डील नहीं कर पाई. उन्हें तेहरान वापस जाना था या तो सुप्रीम लीडर से या किसी और से और असल में उन शर्तों को मंजूरी लेनी थी जो हमने तय की थी.

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी ने उर्वरकों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए विचार-मंथन सत्र आयोजित किया

- **वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत की ओर इस यात्रा में कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग**
- **उर्वरक आयात पर निर्भरता कम करना अनिवार्य है; मृदा स्वास्थ्य को मजबूत करना, संतुलित उपयोग और किसानों में जागरूकता लाना सतत कृषि की कुंजी है: डॉ. जाट**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) ने उर्वरकों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए आज विचार-मंथन सत्र (बीएसएस) आयोजित किया। संबंधित सरकारी विभागों, शिक्षा जगत, उर्वरक उद्योग और किसानों के प्रतिनिधियों ने इस चर्चा में भाग लिया, और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर एकमत होकर राय व्यक्त की।

सत्र के बाद, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक और एनएएएस के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जाट ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत ने 2047 तक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है, और इस यात्रा में कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहां हरित क्रांति के दौरान उत्पादन बढ़ाने में उर्वरकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वहीं वर्तमान चुनौती उर्वरकों के उपयोग की दक्षता में कमी और उनके अंधाधुंध इस्तेमाल में निहित है।

डॉ. जाट ने यह भी कहा कि देश में सालाना लगभग 33 मिलियन टन उर्वरकों की खपत होती है, जिसका बड़ा हिस्सा आयात किया जाता है; ऐसे में आयात पर निर्भरता कम करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हल करने के लिए ऐसे व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियां शामिल हों। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य जैसी योजनाओं को मजबूत करना, उर्वरकों के संतुलित और आवश्यकता-आधारित उपयोग को बढ़ावा देना, और किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

डॉ. जाट ने बताया कि उर्वरकों के उपयोग को इष्टतम बनाने के लिए हमें सटीक पोषक तत्व प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सेंसर-आधारित प्रणालियों जैसी आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दालों और तिलहनों की ओर फसल विविधीकरण, 'वेस्ट-टू-वेल्थ' पहल के तहत जैविक कचरे का पुनर्चक्रण और जैविक स्रोतों के उपयोग को बढ़ाना, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में और भी अधिक योगदान देगा।

विचार विमर्श सत्र के बारे में उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों ने सलाह दी कि बहु-आयामी रणनीति अपनाई जाए, जिसमें छोटे, मध्यम और लंबे समय के अनुसंधान एवं विकास लक्ष्य हों, और उन्हें हासिल करने के लिए सहायक नीतियां हों। रूपरेखा में उर्वरक अनुसंधान को मजबूत करने पर जोर दिया जाना चाहिए, ताकि स्मार्ट वैकल्पिक उर्वरक विकसित किए जा सकें; अप्रयुक्त स्वदेशी खनिजों (ग्लूकोनाइट, फॉस्फेट चट्टानें, अभ्रक, पॉलीहेलाइट...) और औद्योगिक उप-उत्पादों का उपयोग किया जा सके; जैविक पदार्थों का उपयोग बढ़ाया जा सके; मिट्टी के माइक्रोबायोम की क्षमता का लाभ उठाया जा सके; खाद बनाने की तकनीकों में सुधार किया जा सके; बेहतर एनयूई के लिए फसल प्रजनन किया जा सके; और अच्छी कृषि पद्धतियां (जीएपी) अपनाई जा सकें—जिनमें उर्वरकों और जैविक पदार्थों को मिलाकर सटीक पोषक तत्व प्रबंधन, मिट्टी के स्वास्थ्य की बहाली, फसल विविधीकरण और अवशेषों का पुनर्चक्रण शामिल हो।

एकदम बिंदास और स्टाइलिश जीवन गुजारती हैं एक्ट्रेस कस्तूरी

द्यद्यह्ल श्चश्च आज काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है. यहां कई रोमांटिक और एडल्ट वेब सीरीज मौजूद हैं. इसी प्लेटफार्म के एक वेब सीरीज 'चरमसुख- करना जरूरी है' में काम कर चुकी एक्ट्रेस कस्तूरी छेत्री काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं.

एडल्ट वेब सीरीज 'चरमसुख- करना जरूरी है' से सबके दिल में घर करने वाली एक्ट्रेस कस्तूरी रियल लाइफ में भी काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं. सोशल मीडिया पर इनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. एक्ट्रेस की फोटोज अक्सर इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं. एक्ट्रेस कस्तूरी छेत्री एक जानी-मानी मॉडल भी हैं. एक्ट्रेस का लुक लोगों को कभी पसंद आता है, जिसे लेकर कस्तूरी अक्सर चर्चा में रहती हैं.कस्तूरी को आप सोशल मीडिया क्वीन भी कह सकते हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.इनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपको हर लुक्स में तस्वीरें मिल जाएंगी. बोल्ड फिगर के साथ ही कस्तूरी अपने बिकिनी लुक से इंटरनेट पर आग लगा देती हैं.कस्तूरी ह्रञ्ज की कई वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं. इंजीनियरिंग गर्ल्स, होम स्वीट ऑफिस, और आयुष मेहरा सीरीज में इनका बोल्ड लुक देखते ही बनता है.कस्तूरी अक्सर अपने सोशल मीडिया पर अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में साझा करती हैं. एक्ट्रेस एकदम बिंदास और स्टाइलिश जीवन गुजारती हैं.इनकी बोल्डनेस भरी तस्वीरें देखकर हर कोई घायल हो जाता है. कस्तूरी अपने ग्लैमरस और सिजलिंग लुक से हर किसी को अपना दीवाना बना लेती हैं।

रुबीना दिलैक ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

रुबीना दिलैक टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं. छोटी बहू में राधिका की भूमिका निभाकर उन्होंने घर-घर में अपनी एक पहचान बनाई. उसके बाद उन्हें शक्ति सीरियल में सौम्या के कैरेक्टर में भी खूब पसंद किया गया. उसके बाद रुबीना जब बिग बॉस 14 की विनर बनीं तो उनके पॉपुलैरिटी में चार चांद लग गई.

इससे एक्ट्रेस ने साबित कर दिया कि वो सिर्फ स्क्रिप्टेड शोज तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि रिएलिटी शोज की भी क्विन बन सकती हैं.अब एक बार फिर से रुबीना ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस का ध्यान खींच लिया है.

एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर स्ट्राइकिंग वेलवेट स्वैम्प ग्रीन गाउन में कई तस्वीरें शेयर की हैं.इन तस्वीरों में एक्ट्रेस के ग्लैमर की खूब तारीफ हो रही है.वहीं,तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने जो कैप्शन लिखा है, उसने हर किसी का ध्यान खींच लिया है.

रुबीना का कैप्शन देख फैंस हुए हैरान एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा,आत्मा को तोड़ देने वाली हार के बाद फिर से खिलना कैसा दिखता है..यही तो जिंदगी है, है नारुबीना के इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर कॉमेंट्स की बौछार की है.फैंस कमेंट के जरिए एक्ट्रेस से बार-बार पूछ रहे हैं क्या सबकुछ ठीक है. वहीं, कुछ ने पूछा कि इस पोस्ट का मतलब क्या है.वहीं, एक्ट्रेस के फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके कमबैक का जश्न मनाया है और उनका हौसला बढ़ाया है.हालांकि, रुबीना दिलैक ने क्लियर किया है कि उनके कैप्शन के पीछे क्या वजह है, लेकिन ये ऐसे समय में सामने आया है जब वो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ लाइफ में काफी बीजी हैं.

एक्ट्रेस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो लगातार टीवी और ओटीटी दोनों पर काम कर रही हैं.साथ ही फैमिली टाइम स्पेंड करना भी नहीं भूलती हैं.रुबीना दिलैक ने टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला के संग शादी की है और अब इस कपल की दो बेटियां हैं।

बैक टू बैक फिल्मों से मचेगा धमाल

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में रश्मिका मंदाना, साई पल्लवी इस वक्त काफी चर्चा में हैं, क्योंकि दोनों ही एक्ट्रेसेस के पास अल-अलग भाषाओं की कई फिल्में हैं. लेकिन, इसी बीच एक और नाम तेजी से उभरकर सामने आ रहा है, जो कि साउथ की नई एक्ट्रेस है. हम जिनकी बात कर रहे हैं, वो कयादु लोहार हैं. कयादु को इस समय साउथ सिनेमा की सबसे बिजी कलाकार कहा जा रहा है, क्योंकि उनके पास इन दिनों एक साथ कई बड़े प्रोजेक्ट्स लाइनअप बताए जा रहे हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कयादु लोहार अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिसमें तेलुगु, तमिल और मलयालम प्रोजेक्ट्स शामिल बताए जा रहे हैं. मेकर्स लगातार उन्हें साइन कर रहे हैं. अभी की बात करें, तो कयादु पल्लीचट्टंबी फिल्म में नजर आने वाली हैं, जो कि 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगा. ये मलयालम भाषा की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें उनके साथ टोविनो थॉमस नजर आएंगे.

दूसरे फिल्म की बात करें, तो कयादु दुलकर सलमान के साथ फिल्म आई एम गेम में भी शामिल हैं. इस फिल्म को नहस हिधायत डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म का पोस्टर भी रिलीज किया जा चुका है. साउथ सुपरस्टार नानी की अपकमिंग फिल्म द पैराडाइज में भी कयादु शामिल हैं. फिल्म से कयादु का लुक भी वायरल हुआ है, जिसमें वो रेट्रो अंदाज में दिख रही हैं. बताया जा रहा है कि ये फिल्म अगस्त में रिलीज हो सकती है. इसके अलावा कयादु फहद फासिल के साथ अपकमिंग तमिल रोमांटिक ड्रामा इधायम मुरली में भी दिखेंगी. इस फिल्म को आकाश बस्करन डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म में अथर्वा मुरली लीड रोल में हैं उनके साथ प्रीति मुखुंधन भी हैं. कयादु लोहार की अगली फिल्म की बात करें, तो उसमें इम्मॉर्टल का नाम शामिल है, इस फिल्म को मरियाप्पन चिन्ना डायरेक्ट कर रहे हैं।

आर-पार की लड़ाई!

विला बना अखाड़ा! दीक्षा ने फेंके कपड़े तो आकांक्षा ने पकड़ा गला, सरेआम हुई मारपीट

कहते हैं कि इश्क और जंग में सब जायज है, लेकिन रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला ङ्ग6' में तो प्यार कम और जंग ज्यादा नजर आ रहा है. शो में जल्द ही आने वाले ट्विस्ट ने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है. जहां अब तक इस शो में कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर प्यार के वादे करते थे, वहीं अब वे एक-दूसरे के बाल नोचने और कपड़े फेंकने पर उतारू हो गए हैं. मामला इतना बढ़ गया कि बात सिर्फ जुबानी जंग तक नहीं रही, बल्कि सरेआम लात-घूंसे और हाथापाई तक पहुंच गई.

वैसे तो इस शो में अक्सर लड़कों के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है, लेकिन इस बार लड़ाई दो लड़कियों में हुई है. ये पूरा ड्रामा तब शुरू हुआ जब दीक्षा पवार ने गुस्से में आकर आकांक्षा चौधरी के सारे कपड़े अलमारी से बाहर निकालकर फेंक दिए. बस फिर क्या था? आकांक्षा का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया. इस लड़ाई में आकांक्षा की दोस्त सुजैन की एंट्री ने आग में घी डालने का काम किया. सुजैन ने बदला लेने के लिए दीक्षा के कमरे में घुसकर उसके भी कपड़े तितर-बितर कर दिए.

स्प्लिट्सविला के लेटेस्ट प्रोमो में दिख रहा है कि दीक्षा और आकांक्षा के बीच की बहस देखते ही देखते फिजिकल हो गई. दोनों एक-दूसरे पर टूट पड़ीं. मंजर कुछ ऐसा था जिसे देख दर्शक भी दंग रह गए. बताया जा रहा है कि इस लड़ाई में सिर्फ धक्का-मुक्की नहीं हुई, बल्कि बात गला पकड़ने और नाखून मारने तक पहुंच गई. आकांक्षा ने दीक्षा का गला पकड़ा तो दीक्षा ने आकांक्षा पर हाथ उठा दिया, जिसके बाद सुज़ैन भी इस 'दंगल' में कूद पड़ीं. कभी जिगरी दोस्त रहीं ये लड़कियां अब एक-दूसरे की जानी दुश्मन बन बैठी हैं.

वीडियो वायरल होते ही फैंस दो गुटों में बंट गए हैं. ज्यादातर लोग आकांक्षा का साथ दे रहे हैं और दीक्षा को इस झगड़े की जड़ बता रहे हैं. कुछ यूजर्स तो दीक्षा को ट्रोल करते हुए लिख रहे हैं कि रियलिटी शो है, कोई कुश्ती का अखाड़ा नहीं. वहीं कुछ का कहना है कि सुज़ैन को बीच में टांग नहीं अड़ानी चाहिए थी.

'स्प्लिट्सविला X6' की शुरुआत बड़े ही दिलचस्प ट्विस्ट के साथ हुई थी. शो को दो हिस्सों में बांटा गया था, 'प्यार विला' और 'पैसा विला'. प्यार विला में आकांक्षा चौधरी, दीक्षा पवार, अंजलि शमक, और हिमांशु अरोड़ा जैसे कंटेस्टेंट्स शामिल थे, जो 'सच्चे प्यार' की तलाश में आए थे. तो पैसा विला में कियोना वाल्के, निहारिका तिवारी और कशिश जैसे लोग थे, जिनका फोकस 'स्प्लिट्स कॉइन्स' और गेम जीतने पर था.अब ये दोनों विला एक हो चुके हैं, और शायद यही वजह है कि कॉम्पिटिशन इतना बढ़ गया है कि कंटेस्टेंट्स अपनी गरिमा भूलकर मारपीट पर उतर आए हैं. अब देखना ये होगा कि शो के होस्ट सनी लियोनी और करण कुंद्रा इस फिजिकल फाइट पर क्या एक्शन लेते हैं. क्या दीक्षा को शो से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा या फिर ये 'ड्रामा' अभी और आगे चलेगा? ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

प्रफुल्ल आईपीएल डेब्यू ओवर में 3 विकेट वाले पहले बॉलर

वैभव शून्य पर आउट, संदीप-जुरेल टकराए, फ्लडलाइट्स बंद हुईं

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 57 रन से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए। वे ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। वैभव सूर्यवंशी बिना खाता खोले आउट हुए। ईशान किशन के कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकरा गए।

अभिषेक एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट

अभिषेक शर्मा एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वे इस साल 18 पारियों में 7 बार बिना खाता खोले लौटे। उन्होंने रोहित शर्मा (2018) और संजू सैमसन (2024) को पीछे छोड़ा, जो 32-32 पारियों में 6-6 बार शून्य पर आउट हुए थे।

साकिब का आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग फिगर

साकिब हुसैन आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस वाले प्लेयर बने। उन्होंने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। साकिब ने अश्विनी कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विनी ने 2025 में केकेआर के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर प्रफुल हिंगे हैं। उन्होंने 34 रन देकर 4 विकेट लिए।

आर्चर को लगातार दूसरे मैच की पहली गेंद पर विकेट

जोफ्रा आर्चर ने मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया। अभिषेक बिना खाता खोले लौटे। इससे पहले 10 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ भी आर्चर ने पहली गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया था। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने यह कारनामा किया। आईपीएल में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट के मामले में मोहम्मद शमी 5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। आर्चर 4 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान के लिए यह 24वीं बार रहा जब टीम ने बिना कोई रन दिए पहला विकेट लिया। यह आईपीएल में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा है। वहीं, 12वीं बार ऐसा हुआ जब राजस्थान ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

संदीप-ध्रुव टकराए, ईशान कैच आउट

14वें ओवर में ईशान किशन का विकेट गिरा। संदीप शर्मा की वाइड लेंथ गेंद पर ईशान ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और गेंद ऊपर चली गई। कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकराए, लेकिन संदीप ने गेंद पकड़ ली।

फ्लडलाइट बंद हुई, दर्शकों ने फ्लैश जलाए

13वें ओवर में फ्लडलाइट बंद होने से खेल रुका। मैदान पर अंधेरा छा गया और दर्शकों ने मोबाइल फ्लैश जलाई। ब्रेक में ईशान किशन टॉवेल से खुद को सुखाते नजर आए, जबकि रियान पराग और संदीप शर्मा बात करते दिखे।

वैभव शून्य पर आउट, हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए

आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने इतिहास रचा। वे पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इससे पहले आईपीएल इतिहास में 32 बार पहले ओवर में 2 विकेट लिए गए थे। दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। चौथी पर ध्रुव जुरेल को बोल्ड किया। आखिरी गेंद पर लुहान-ड्रे प्रिटोरियस को कैच कराकर तीसरा विकेट लिया। तीनों बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए।

फरेरा ने 102 मीटर लंबा सिक्स लगाया

11वें ओवर में डोनोवन फरेरा ने 102 मीटर का सिक्स लगाया। हर्ष दुबे की फुल लेंथ गेंद पर उन्होंने आगे बढ़कर शॉट खेला और गेंद को डीप मिडविकेट के ऊपर 102 मीटर दूर भेजा। फरेरा को 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर डेब्यू कर रहे साकिब हुसैन ने बोल्ड कर दिया।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में देरी एथलीटों को हतोत्साहित करने वाला : तेजस्विन शंकर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के रजत पदक विजेता डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा में देरी के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय की आलोचना की है। शंकर ने इसे एथलीटों का अपमान और हतोत्साहित करने वाला बताया है। तेजस्विन ने एक्स पर लिखा, 'दिसंबर में अनाधिकारिक नाम आने से 'पहले' इस बारे में सोचा जाना चाहिए था। 4 महीने बाद नहीं। यह देरी न सिर्फ एथलीट्स और कोचों को हतोत्साहित कर रही है बल्कि अपमान की निशानी भी है।' मंत्रालय के मुताबिक, 'राष्ट्रीय खेल पुरस्कार कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। एथलीट्स की सूची का फिर मूल्यांकन किया जा रहा है, इसी वजह से कुछ देरी हो रही है। जल्द ही पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाएगा।' पुरस्कार समारोह में देरी का एथलीट बहुत विरोध कर रहे हैं। एथलीटों का मानना है कि पुनर्मूल्यांकन उन लोगों पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहा है जो पहले ही जरूरतें पूरी कर चुके हैं। मंत्रालय ने पिछले साल 29 सितंबर को साल 2025 के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों (मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड, अर्जुन अवॉर्ड, अर्जुन अवॉर्ड (लाइफटाइम),

द्रोणाचार्य अवॉर्ड, और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार) के लिए आवेदन मांगे थे, जिसे बाद में बढ़ाकर 4 नवंबर कर दिया गया था। 24 दिसंबर को चयन समिति की बैठक के बाद खेल मंत्रालय को भेजी गई सूची में कम-से-कम 24 नाम थे, जिसमें अर्जुन अवॉर्ड के लिए तेजस्विन का नाम भी शामिल था। लेकिन, फिलहाल यह प्रक्रिया रुकी हुई है। अवॉर्ड्स भारत के राष्ट्रपति द्वारा एक समारोह में दिए जाते हैं। आमतौर पर समारोह का आयोजन 29 अगस्त को, मेजर ध्यानचंद की जयंती पर होता है।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप की प्राइजमनी 10 प्रतिशत बढ़ी

आईसीसी ने टूर्नामेंट की कुल राशि 82 करोड़ तय की, विजेता टीम को 21.8 करोड़ मिलेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि बढ़ाकर 82 करोड़ रु. की गई है, जो 2024 के मुकाबले 10% ज्यादा है। पिछली बार इनामी राशि 7.95 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपए) थी। जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में इस बार ज्यादा टीमें और ज्यादा मुकाबले देखने को मिलेंगे।

विजेता को मिलेंगे 21.8 करोड़ रुपए

टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 21.8 करोड़, उपविजेता को 10 करोड़ और सेमीफाइनल हारने वाली टीम को 6.29 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं हर ग्रुप मैच जीतने पर टीम को 29 लाख मिलेंगे।

12 टीमों के बीच होंगे कुल 46 मुकाबले : इस बार टूर्नामेंट का दायरा

बढ़ाया गया है। अब तक विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा लेती थीं, लेकिन इस बार 12 टीमें खेलेंगी। टीमों की संख्या बढ़ने से मैचों की संख्या में भी 50% का इजाफा हुआ है। ग्रुप स्टेज के मैच 20 से बढ़कर 30 हो गए हैं। पूरे टूर्नामेंट में नॉकआउट समेत कुल 46 मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की परिस्थितियों में होगा बड़ा चैलेंज : अगला वर्ल्ड कप इंग्लैंड की मेजबानी में जून और जुलाई के बीच खेला जाना है। जून-जुलाई में इंग्लैंड का मौसम और पिचें तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर्स के लिए भी मददगार होती हैं। भारतीय टीम के लिए यह टूर्नामेंट काफी अहम होगा क्योंकि टीम इंडिया अब तक एक बार भी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीत सकी है। 12 टीमें होने से मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है।

ब्रॉडकास्टिंग और रेवेन्यू बढ़ने का फायदा

महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के कारण आईसीसी के रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी हुई है। विमेंस क्रिकेट के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की वैल्यू बढ़ी है और स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इसी को देखते हुए आईसीसी लगातार टूर्नामेंट्स को बड़ा बना रहा है। 12 टीमों के इस फॉर्मेट से छोटे देशों की महिला क्रिकेट टीमों को भी ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

रूस-बेलारूस के तैराकों से 'वर्ल्ड एक्वेटिक्स' ने प्रतिबंध हटाया

मॉस्को। वर्ल्ड एक्वेटिक्स ने घोषणा की है कि उसने रूसी और बेलारूसी एथलीटों पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। दोनों देशों के एथलीट अब अपने राष्ट्रीय झंडों और राष्ट्रगान के साथ मुकाबला कर सकते हैं। संस्था ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान में कहा, 'वर्ल्ड एक्वेटिक्स ब्यूरो के फैसले के बाद, और एक्वेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट और वर्ल्ड एक्वेटिक्स एथलीट्स कमेटी के साथ सलाह-मशविरा करके, राजनीतिक झगड़े के समय एक्वेटिक्स इवेंट्स में एथलीट की भागीदारी के लिए दिशा-निर्देश अब बेलारूसी या रूसी खेल राष्ट्रीयता वाले सीनियर एथलीटों पर लागू नहीं होंगी।' बयान में आगे कहा गया, 'बेलारूस या रूसी खेल राष्ट्रीयता वाले सीनियर एथलीटों को वर्ल्ड एक्वेटिक्स इवेंट्स में उसी तरह मुकाबला करने की इजाजत होगी जैसे दूसरे खेल राष्ट्रीयताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उनके साथी अपनी-अपनी यूनिफॉर्म, झंडों और राष्ट्रगान के साथ करते हैं।' बयान में कहा गया है कि बेलारूसी या रूसी राष्ट्रीयता वाले एथलीट को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की इजाजत तभी मिलेगी, जब वे इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी के साथ साझेदारी में किए गए कम से कम चार लगातार एंटी-डोपिंग कंट्रोल को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे और 'एक्यूआइयू' के साथ बैकग्राउंड चेक पूरा कर लेंगे। वर्ल्ड एक्वेटिक्स ब्यूरो ने पहले दिशा-निर्देश में बदलाव किया था, जिन्हें 'एक्यूआइयू' लागू करता है, ताकि बेलारूसी या रूसी स्पोर्ट नेशनलिटी वाले जूनियर एथलीट अपने साथी जूनियर एथलीट की तरह ही हिस्सा ले सकें। वर्ल्ड एक्वेटिक्स के अध्यक्ष हुसैन अल मुसल्लम ने कहा, 'पिछले तीन सालों में, वर्ल्ड एक्वेटिक्स और 'एक्यूआइयू' ने सफलतापूर्वक यह पक्का करने में मदद की है कि झगड़े को स्पोर्टिंग कॉम्पिटिशन की जगहों से बाहर रखा जा सके। हम यह पक्का करने के लिए पक्के इरादे वाले हैं कि पूल और खुला पानी ऐसी जगहें बनी रहें जहां सभी देशों के एथलीट शांतिपूर्ण कॉम्पिटिशन में एक साथ आ सकें।' रूस के खेल मंत्री और रूसी ओलंपिक कमेटी के प्रमुख मिखाइल डेग्ट्यारेव ने वर्ल्ड एक्वेटिक्स के फैसले का स्वागत किया है। डेगट्यारेव ने कहा, 'हम वर्ल्ड एक्वेटिक्स के इस फैसले का स्वागत करते हैं कि रूसी और बेलारूसी एथलीटों को दूसरे एथलीटों के बराबर, नेशनल यूनिफॉर्म में, उनके नेशनल झंडे और राष्ट्रगान के साथ सभी अंतरराष्ट्रीय एक्वेटिक कॉम्पिटिशन में फिर से शामिल किया गया है।'

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं।

प्रफुल्ल और साकिब अपने डेब्यू का आनंद लें, यही हमारा प्लान था: वरुण आरोन

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के तेज गेंदबाजी कोच वरुण आरोन ने सोमवार के राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ डेब्यू करने वाले प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की जमकर तारीफ की। एसआरएच के लिए प्रफुल्ल और साकिब को चुनने में अहम भूमिका निभाने वाले वरुण आरोन ने कहा कि दोनों के लिए मेरा संदेश यही था कि वे डेब्यू मैच का आनंद लें और परिणाम के बारे में न सोचें, यही टीम के पक्ष में गया। मैच के बाद वरुण ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'मेरा उनके लिए बस यही प्लान था कि वे गेम का आनंद लें क्योंकि क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में आप सिर्फ एक बार डेब्यू करते हैं। वे जहां से आए हैं, उसे देखते हुए, उन्होंने

आज जो किया वह बहुत बड़ा है, और आपको बस इसका आनंद लेना है। मैच से पहले मेरा बस यही अनुरोध था कि अगर मैंने उन्हें इसका आनंद लेते नहीं देखा, तो मुझे बहुत गुस्सा आएगा। दोनों ने और हम सभी ने सच में डेब्यू का आनंद लिया।' वरुण ने वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेने के लिए प्रफुल के पक्के इरादे की भी तारीफ़ की। मैच से पहले की बातचीत का खुलासा करते हुए, पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'बातचीत यह थी कि वह राउंड द विकेट जाना चाहता था, और मैंने कहा, 'नहीं, तुम बस ओवर द विकेट रहो। मुझे यकीन है कि तुम उसे आउट कर दोगे।' वरुण ने आगे कहा, 'मेरा मतलब है, यह टीमवर्क है। आखिर में, सारा श्रेय प्रफुल्ल को जाता है। वैभव को आउट करने का उनका पक्का इरादा था।

प्रफुल्ल ने पहले भी वैभव को आउट किया था, और फिर उसे आउट करने की बात कही थी। उसका इरादा पक्का था। मैं उसके लिए सच में बहुत खुश हूं।' प्रफुल्ल का ड्रीम डेब्यू रहा क्योंकि उन्होंने अपने पहले ही ओवर में तीन विकेट लिए, और आईपीएल इतिहास में एक पारी के पहले ओवर में तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उन्होंने अपने चार ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट लिए। प्रफुल्ल की घातक गेंदबाजी की वजह से ही 217 के लक्ष्य का पीछा कर रही आरआर 159 पर सिमट गई।

जोफ्रा आर्चर के खिलाफ ईशान किशन ने दिखाई अपनी क्लास : संजय बांगड़

हैदराबाद। आईपीएल 2026 का 21वां मुकाबला सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच हैदराबाद में खेला गया था। एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 216 रन बनाए थे। कप्तान ईशान किशन ने 44 गेंदों पर 8 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 91 रन की पारी खेली थी। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट संजय बांगड़ ने ईशान किशन की विस्फोटक पारी की जमकर तारीफ की। बांगड़ ने कहा, 'ईशान किशन ने जिस तरह से पहली छह गेंदों पर जोफ्रा आर्चर के खिलाफ बल्लेबाजी की, वह पूरी तरह से क्लास का नमूना था। वह गेंद की लाइन के पीछे गए, आत्मविश्वास के साथ क्रीज पर आगे बढ़े, और अपने फुटवर्क में बहुत सटीक रहे। एक बल्लेबाज के तौर पर, आप जानते हैं कि कब आपके लिए कोई खास रात होने वाली है, और यह पहली छह से आठ गेंदों में साफ था। किशन गेंद के मुताबिक शॉट पूरी शांति के साथ खेल रहे थे। ईशान किशन की आक्रामक बल्लेबाजी की वजह से ही एसआरएच ऐसा स्कोर बना सकी, जो आरआर की पहुंच से दूर था।' मैच की बात करें तो टॉस गंवाकर एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन के 91 रनों की मदद से 216 रन बनाए थे। आरआर की पारी 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। एसआरएच की जीत में अपना डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की अहम भूमिका रही। प्रफुल्ल ने 4 ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि साकिब हुसैन ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए।

संजू सैमसन मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने, भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने का मिला इनाम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाया गया है। सैमसन ने मार्च महीने में समाप्त हुई टी20 विश्व कप में लगातार तीन यादगार पारियां खेलते हुए भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में यादगार भूमिका निभाई थी। पुरस्कार मिलने के बाद आईसीसी के हवाले से सैमसन ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीतना एक जबरदस्त एहसास है, खासकर इसलिए क्योंकि यह मेरे क्रिकेट के सफर के सबसे यादगार दौर में मिला है। पुरुषों के टी20 विश्व कप में भारत की जीत में हिस्सा लेना सच में एक सपना सच होने जैसा था, और उस पल की अहमियत को पूरी तरह समझने में थोड़ा समय लगा।' उन्होंने कहा, 'यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक रोमांचक दौर है, जिसमें हर तरफ बहुत प्रतिभाएं हैं। मुझे मिले मौकों

और अपने साथियों और कोचिंग स्टाफ के भरोसे और सहयोग के लिए मैं शुक्रगुजार हूं, जिससे मैं अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाया।' सैमसन के साथ ही टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को भी मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। सैमसन ने इन दोनों खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए खिताब जीता। संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत के लिए लगातार तीन मैच-विजयी पारियां खेलीं और टीम को चैंपियन बनाया।

एमएस धोनी 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर बेहतर योगदान दे पाएंगे : मिशेल मैक्लेनाघन

चेन्नई। आईपीएल 2026 का 22वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच चेपॉक स्टेडियम में मंगलवार की शाम को खेला जाएगा। सीएसके और केकेआर के बीच होने वाले मुकाबले में पूर्व कप्तान एमएस धोनी खेलेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल बना हुआ है। हालांकि, अगर धोनी खेलते हैं, तो टीम में उनकी भूमिका क्या होगी, इस पर भी चर्चाओं का दौर जारी है। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट मिशेल मैक्लेनाघन ने कहा, 'अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर लाना चाहिए। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें उनसे थोड़े रन चाहिए, खासकर जब वे चेज कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब के तौर पर लाने से उनकी बैटिंग क्षमता का सबसे अच्छा इस्तेमाल

हो पाएगा।' न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें शायद ज्यादा दौड़ना न पड़े। वह बस आकर, गेंद को स्टैंड्स में मार सकते हैं और फिनिशर का काम कर सकते हैं। जब चेन्नई बड़े स्कोर का पीछा कर रही होगी तो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की क्षमता बहुत काम आएगी। मुझे लगता है कि धोनी को लय में लाने का यह एक अच्छा तरीका है। उनकी मौजूदगी सीएसके के निचले क्रम की बल्लेबाजी को बहुत ताकत देगी।' 44 साल के एमएस धोनी आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। सीजन की शुरुआत के पहले से ही वह पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं। एमएस धोनी का केकेआर के खिलाफ खेलना तय नहीं है। सीएसके प्रबंधन उन्हें लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है, लेकिन इतना तय है कि उनके खेलने से टीम के नेतृत्व और बल्लेबाजी में सकारात्मक बदलाव आएगा। अगर सीएसके और केकेआर के आईपीएल 2026 में प्रदर्शन की बात करें तो दोनों ही टीमों का प्रदर्शन साधारण रहा है। लगातार तीन हार के बाद सीएसके ने चेपॉक में खेले गए अपने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर पहली जीत दर्ज की थी। केकेआर को अपनी पहली जीत का इंतजार है। केकेआर के पास 4 मैचों में 1 अंक हैं और टीम अंकतालिका में सबसे नीचे (दसवें स्थान पर) है। केकेआर और पंजाब किंग्स के मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था, इस वजह से दोनों टीमों को 1-1 अंक मिले थे। सीएसके के खिलाफ उसके होम ग्राउंड में केकेआर सीजन का अपना पहला मैच जीतने की कोशिश करेगी। सीएसके और केकेआर के बीच अब तक 32 मैच खेले गए हैं, जिसमें 20 मैच सीएसके ने और 11 मैच केकेआर ने जीते हैं। एक मैच का परिणाम नहीं आया था।

पीलिया प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य अमला मुस्तैद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 14 अप्रैल 2026 को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देशन में एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. पियाम सिंग, प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई व श्रीमती रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग श्री विजय सेजुले, सुपरवाईजर, श्री हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। सेक्टर-07, स्ट्रीट-37ए भिलाई में पीलिया ग्रस्त होने के कारण लक्षण पाये गये मरीजों का रक्त नमूना लिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज प्रभावित क्षेत्र में 01 पीलिया से ग्रसित नए मरीज पहचान किये। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 37 पीलिया के मरीज मिले। जिनमें 01 पुराने मरीज डिस्चार्ज हुए। इस प्रकार भर्ती मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईस भिलाई में 03, पल्स हास्पीटल, भिलाई-1 में 01 उपचाररत है। वतर्मान में स्थिति नियंत्रण में है। पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ ऊपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना। सेक्टर 7 भिलाई में सड़क 37 में पीलिया प्रभावित क्षेत्रों का स्वास्थ्य विभाग द्वारा 80 घरों में सर्वे किया गया। पानी नगर निगम भिलाई द्वारा सप्लाई किया जा रहा है, पाइप लाइन को बदला जा रहा है।

बीएसपी भिलाई द्वारा जिला सर्वालेंस नोडल अधिकारी डॉ सीबीएस बंजारे, लाल बहादुर शास्त्री सिविल अस्पताल सुपेला भिलाई के प्रभारी डॉ पीयाम सिंह ,विकास खंड प्रशिक्षण अधिकारी, हितेंद्र कोसरे भिलाई, राजेंद्र डाहरे रिसाली, विजय सेजुले, रोहित मंडले, पयर्वेक्षक, पंकज राठौर, पंकज सिंहा, प्रिंस पीयूष टंडन, रमा शंकर यादव, पंकज राठौर अनिल धीमर, उपस्थित रहे। क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट उपस्थित रहकर मरीजों का जांच एवं उपचार किया गया। 13 शंकसपद मरीज का सेम्पल लिया गया। 01 मरीज नया मिला जिसे भर्ती के लिए सलाह दिया गया। 01 मरीज डिस्चार्ज हुआ है। अंशुल पिता एसआर एक्का 22/ट को भर्ती के लिए सलाह दिया गया। शिवम/जय प्रकाश 13/ट पुराना मरीज मिला। स्वास्थ्य शिक्षा दिया गया।

बैठक

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में केबिनेट बैठक प्रारंभ।

नारी शक्ति की भागीदारी से मजबूत होगा लोकतंत्र : अब नारी शक्ति के प्रतिनिधित्व को नई ऊंचाई देने का समय

रायपुर/ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर छत्तीसगढ़ के सभी लोकसभा एवं राज्यसभा सांसदों, विधानसभा सदस्यों तथा महिला संगठनों को पत्र लिखकर सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया है। उन्होंने 16 अप्रैल 2026 को संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर प्रस्तावित चर्चा को देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण और निर्णायक क्षण बताते हुए कहा है कि यह मातृशक्ति को लोकतांत्रिक संस्थाओं में समुचित प्रतिनिधित्व दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक अवसर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सांसदों को लिखे अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 16 अप्रैल 2026 को संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर प्रस्तावित चर्चा देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अवसर है। वर्ष 2023 में संसद द्वारा इस अधिनियम को सर्वसम्मति से पारित किए जाने को लोकतंत्र की एकजुटता और महिला सशक्तीकरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने सांसदों से आग्रह किया कि वे वर्ष 2029 के लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों से पूर्व इस अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू करने के विषय में सकारात्मक और सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि मातृशक्ति को उनका समुचित अधिकार शीघ्र प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के सभी विधायकों को लिखे गए पत्र में उल्लेख किया है कि अब समय आ गया है कि महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में उनका उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि “मातृशक्ति के नेतृत्व में सशक्तीकरण” का यह अभियान देश के समग्र विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से अपेक्षा की कि है कि वे महिला आरक्षण के समर्थन में छत्तीसगढ़ की आवाज को सशक्त करें तथा इस विषय पर होने वाली चर्चा में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सकारात्मक वातावरण के निर्माण में अपना योगदान दें।मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला संगठनों को लिखे अपने पत्र में महिला संगठनों के निरंतर प्रयासों और योगदान की सराहना करते हुए कहा है कि महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने उल्लेख किया कि 16 अप्रैल को संसद में होने वाली चर्चा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों से पूर्ण रूप से सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। साथ ही यह लोकतंत्र को और अधिक समावेशी एवं संवेदनशील बनाने का अवसर है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने उल्लेख किया कि यह सुखद संयोग है कि यह महत्वपूर्ण चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब छत्तीसगढ़ में “महतारी गौरव वर्ष” मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सदैव महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इसका प्रमाण है। स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किए जाने तथा “महतारी वंदन योजना” और “रानी दुर्गावती योजना” जैसी पहल के सकारात्मक परिणाम आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने महिला संगठनों से आह्वान किया कि वे 16 अप्रैल को होने वाली इस ऐतिहासिक पहल के समर्थन में अपने-अपने मंचों से मुखर होकर आवाज बुलंद करें, ताकि महिला आरक्षण के पक्ष में देशव्यापी सकारात्मक वातावरण तैयार हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला संगठन केवल इस परिवर्तन के साक्षी ही नहीं, बल्कि इसके निर्माण में भागीदार भी बनेंगी। मुख्यमंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों और महिला संगठनों से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक अवसर पर एकजुट होकर महिला आरक्षण के समर्थन में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें और संसदीय चर्चा में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से यह पहल न केवल सफल होगी बल्कि देश के लोकतंत्र के सशक्तीकरण की दिशा में एक नए युग की शुरुआत करेगी।

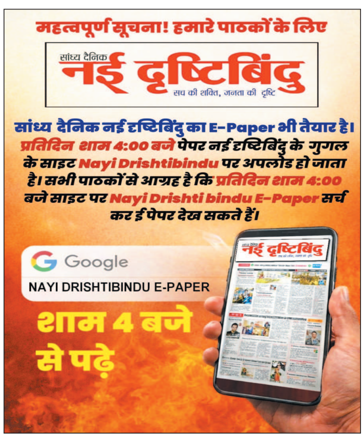

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिसर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100